दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

'गनमास्टर जी-9' से आया रोमांटिक गाना

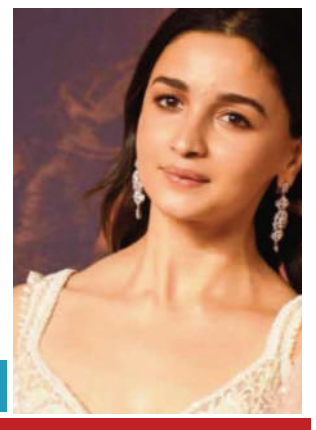

संजय की फिल्म में दिखा धाकड़ अंदाज

वर्ष : 12 | अंक : 272 | लखनऊ, 28 सितम्बर, सोमवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

राम मंदिर चढ़ावा चोरी महिपाल खोलेंगे कई राज

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में 36,039 पन्नों के आरोप पत्र और 133 गवाहों की सूची

दाखिल होने के बाद अब गवाहों की गवाही मुकदमे की अहम कड़ी होगी। इनमें ट्रस्ट के पूर्व लेखा प्रभारी महिपाल सिंह और महासचिव चंपत राय के बयान पर विशेष नजर रहेगी। सिंह ट्रस्ट के लेखा प्रभारी रहे थे। कई राज खुल सकते हैं।

एनटीए ऑफिस की सुरक्षा करेंगे सीआईएसएफ जवान

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक के बाद परीक्षा व्यवस्था और एनटीए की सुरक्षा को लेकर कई बदलाव

हुए हैं। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने अपना कामकाज नए कार्यालय में शिफ्ट कर लिया है। अब नए ऑफिस के 'कॉन्फिडेंशियल एरिया' की सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआईएसएफ को दी जाएगी। यह फैसला पेपर लीक के बाद किया।

टीएमसी विधायक घोष पर फिर किया हमला

कोलकाता। टीएमसी के विधायक कुणाल घोष ने आरोप लगाया है कि रविवार सुबह राजधानी कोलकाता

के बेलियाघाटा में एक कार्यक्रम में जाते समय फिर से हमला किया गया। 24 घंटे के भीतर ही यह हमला हुआ है। घोष ने कहा कि 15-20 बाइक सवार लोगों का एक समूह उनके आवास से ही उनका पीछा कर रहा था। तभी हमला किया।

मैं सुवेंदु की मौत की दुआ करूंगाः हुमायूं

कोलकाता। आम जनता उन्नयन पार्टी के अध्यक्ष और नाओदा से विधायक हुमायूं कबीर ने पश्चिम

बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी को लेकर विवादित बयान दिया है। कबीर ने सुवेंदु की मौत की कामना कर दी। मैं शुक्रवार को नमाज पढ़ूंगा और टिकट जल्द से जल्द कंफर्म करने कामना करूंगा।

प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' के 138वें एपिसोड में देशवासियों को संबोधित किया

आतंकवाद का कड़ा और निर्णायक जवाब देंगे आतंकी ठिकानों पर की थी सर्जिकल स्ट्राइक

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

पीएम नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के 138वें एपिसोड में देशवासियों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने 10 वर्ष पहले 28-29 सितंबर, 2016 को हुई स्ट्राइक को याद किया। पीएम ने बताया कि उस दिन एलओसी के पार जाकर भारतीय सेना के वीर जवानों ने जिस तरह आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई की थी, वो देख दुनिया हैरान थी। भारत ने डंके की चोट पर पूरी दुनिया के सामने भारत की आतंकवाद विरोधी नीति का एक नया उदाहरण प्रस्तुत किया था। आतंकवादी हमलों के कारण भारत ने लंबे समय तक, जो दर्द झेला था, 'सर्जिकल स्ट्राइक' उस कष्ट के खिलाफ हमारी निर्णायक प्रतिक्रिया थी।प्रधानमंत्री ने बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि भारत ने अपना रुख बार-बार साफ किया कि अगर कोई आतंकवादी भारत पर आंख उठाकर भी देखेगा तो उसे करारा जवाब दिया जाएगा। पीएम मोदी ने आगे कहा कि आज का भारत आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रहा है। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना भी जताई।

सेना का पराक्रम दुनिया ने देख लिया

पीड़ित लोगों के प्रति संवेदना जताई

एलओसी के पार भारतीय सेना की कार्रवाई से दुनिया हैरान थी

सेना ने की थी सर्जिकल स्ट्राइक

पीएम मोदी ने कहा कि 1026 ईसवी में जब गजनी द्वारा सोमनाथ विध्वंस हुआ था। उसी साल गुजरात के ही मोढेरा में प्रसिद्ध सूर्य मंदिर पर भी हमला हुआ था, उसे तोड़ा गया था यानि मोढेरा मंदिर विध्वंस को भी इस साल एक हजार साल हुए हैं, जबकि उस समय, इस मंदिर को बने सिर्फ एक ही साल हुआ था। 1025 में इस मंदिर का निर्माण राजा भीमदेव ने कराया था।

जनगणना के लिए अपनी जानकारी स्वयं दर्ज कराएं लोग

प्रधानमंत्री ने कहा कि जनगणना हम सबका राष्ट्रीय दायित्व है। इसके लिए अपना समय जरूर निकालें। उन्होंने नागरिकों से जनगणना के लिए अपनी जानकारी स्वयं दर्ज करने को कहा। पीएम मोदी ने कहा कि वह अपने मोबाइल से ही अपनी और अपने परिवार की जानकारी दर्ज करा सकते हैं। ये सुविधा हिंदी सहित 16 भाषाओं में उपलब्ध है। इसके लिए आपको जनगणना के ऑनलाइन पोर्ट पर जाना होता है। अपने परिवार से जुड़ी जानकारी भरिए, और उसे संलग्न कर दीजिए।

युवाओं के नशे के खिलाफ लिए गए संकल्प को सराहा

प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं द्वारा नशे के खिलाफ लिए गए संकल्प की सराहना की और नशामुक्त युवा अभियान के बारे में विस्तार से चर्चा की। हाल ही में देश के लाखों युवाओं ने नशे के विरुद्ध एक बहुत महत्वपूर्ण संकल्प लिया है। युवाओं ने खुद नशे से दूर रहने की प्रतिज्ञा लेने के साथ ही इस संदेश को दूसरों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी भी ली है। उन्होंने बताया कि यह सब नशामुक्त युवा अभियान के तहत हो रहा है। यह अभियान 100 सप्ताह तक चलने वाला है। इसमें माय भारत के वॉलंटियर बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं।

प्रतापगढ़ के आंवले का जिक्र किया आय का साधन बताया आंवला

प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ के आंवले की भी चर्चा की और बताया कि कैसे एक

पारंपरिक फल आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल अभियान को मजबूती दे रहा है।पीएम मोदी ने कहा कि आंवला हम सभी के लिए बहुत जाना-पहचाना है। ज्यादातर घरों में इससे बने आचार और मुरब्बे का प्रयोग होता है। बहुत से लोग आंवले का जूस पसंद करते हैं।

सिंहल ने समाज में रहकर तपस्वियों का जीवन जिया

पीएम मोदी ने कहा कि अशोक सिंहल 27 सितंबर 1926 को आज के ही दिन आगरा में उनका जन्म हुआ था। उनकी जन्म शताब्दी पर श्रद्धांजलि देता हूं। उन्होंने समाज में रहकर तपस्वियों जैसा जीवन जिया। उन्होंने राम-जन्मभूमि आंदोलन को जो दिशा दी, जो ऊर्जा दी, आज उसी का परिणाम है कि हम अयोध्या में भव्य मंदिर को साक्षात देख रहे हैं।

मनप्पारई में जीवंत रखी जा रही विरासत

प्रधानमंत्री ने कहा कि अतीत से भारत का जुड़ाव आज भी बहुत जीवंत है। इसके पीछे उन लोगों का समर्पण और मेहनत है, जो अपनी कोशिशों से इस जुड़ाव को और गहरा बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली के मनप्पारई में भी ऐसा ही एक अनूठा प्रयास किया जा रहा है। मनप्पारई के इस प्रयास का जिक्र करते हुए बताया कि देश की पुरानी विरासत -परंपराओं को बचाने में लोगों की भूमिका महत्वपूर्ण है।

असम में सीजेपी पर कार्रवाई

रांका को हिरासत में, किसी से नहीं मिलने का लगाया आरोप

दीपके बोले- मुख्यमंत्री सरमा डर गए, हम फिर यहां आएंगे

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

कॉकरोच जनता पार्टी के सह-संयोजक आशुतोष रांका और उनकी टीम को रविवार को असम के गुवाहाटी में हिरासत में लिया गया।

इस बात की जानकारी उन्होंने खुद दी है। सीजेपी के अभिजीत दीपके ने भी इसका कड़ा विरोध किया है।अभिजीत दीपके ने कहा कि वकील उस जगह के बाहर मौजूद थे जहां रांका और अन्य लोगों को हिरासत में लिया गया था, लेकिन उन्हें उनसे मिलने नहीं दिया जा रहा था। सीजेपी नेता अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि समूह को किसी अज्ञात स्थान पर ले जाया जा रहा था।

बैठक में हिस्सा लेने पहुंचे थे

रांका और उनकी टीम असम के गुवाहाटी में कॉकरोच जनता पार्टी की पहली क्षेत्रीय बैठक में हिस्सा लेने असम पहुंचे थे। हालांकि गुवाहाटी पुलिस ने आशुतोष रांका और उनकी टीम के सदस्यों को हिरासत में ले लिया है। सीजेपी की यह बैठक असम सचिवालय के पास होने वाली थी। बैठक शुरू होने से पहले ही पुलिस ने सीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया।

हम डरने वाले नहीं

एक्स पर रांका ने कहा कि जब जब हिमंता डरता है, पुलिस को आगे करता है। सरमा यहां के लोगों से डर गए हैं। हम इनके स्कूलों की हकीकत देश की जनता के सामने लाना चाहते हैं, इसलिए सरमा डर गए हैं। हम नहीं डरेंगे।

सोनम करेंगे सीजेपी के प्रदर्शन का समर्थन

मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अब सीजेपी बड़ा आंदोलन करने वाली है। ये आंदोलन राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत देशभर में किया जाएगा। इस आंदोलन को लेकर जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक का बड़ा बयान दिया है। वांगचुक ने रविवार को सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सीजेपी के 2 अक्टूबर को प्रस्तावित प्रदर्शन का समर्थन किया है।

भगवद्गीता पाठ में सुवेंदु की दो टूक

साधुओं का अपमान किया तो भेजेंगे जेल, गाय की रक्षा होगी

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

यहां भगवद्गीता पाठ कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी ने धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को लेकर अपनी सरकार की प्राथमिकताएं बताईं। उन्होंने लोगों से बिना डर भगवद्गीता का पाठ करने की अपील की और कहा कि राज्य में अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। सुवेंदु ने कहा कि बंगाल में किसी साधु या संत का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जो लोग साधुओं का अपमान करेंगे, उनके खिलाफ सरकार कार्रवाई करेगी और उन्हें जेल भेजा जाएगा। यह बयान ऐसे समय आया है जब राज्य में धार्मिक बयानों और संतों को लेकर राजनीतिक विवाद भी सामने आते रहे हैं। अपनी सरकार को 'टीका', 'शिखा', 'धोती' और 'तुलसी' से जोड़ते हुए कहा कि सरकार का उद्देश्य 'गोमाता' की रक्षा करना है।

भाजपा राज्यसभा चुनाव में पुराने चेहरों पर दांव लगाएगी या उपेक्षित कार्यकर्ताओं का होगा भाग्योदय?

सात मौजूदा सदस्य होंगे सेवानिवृत्त, इस बार आठ सीटों पर भाजपा की दावेदारी मजबूत—दावेदारों में बढ़ी हलचल

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी राज्यसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। भाजपा के सामने इस बार केवल रिक्त होने वाली सीटों को भरने की चुनौती नहीं है, बल्कि लंबे समय से संगठन में सक्रिय और उपेक्षित कार्यकर्ताओं को प्रतिनिधित्व देने का अवसर भी है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि पार्टी एक बार फिर पुराने और स्थापित चेहरों पर भरोसा जताएगी या उन कार्यकर्ताओं को राज्यसभा भेजने का अवसर देगी, जो वर्षों से संगठन के लिए समर्पित भाव से काम करते रहे हैं, लेकिन सत्ता और संगठन में अपेक्षित स्थान हासिल नहीं कर सके। उत्तर प्रदेश से भाजपा के सात राज्यसभा सदस्य सेवानिवृत्त होने जा रहे हैं। वहीं, मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों और विधानसभा में संख्या बल के आधार पर इस बार आठ राज्यसभा सीटों पर भाजपा समर्थित उम्मीदवारों के चुने जाने की संभावना जताई जा रही है। यही वजह है कि संभावित दावेदारों के बीच अभी से हलचल बढ़ गई है और पार्टी के भीतर नामों को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है।

पुराने चेहरों की वापसी या नए लोगों को अवसर?

भाजपा में राज्यसभा की सीटें हमेशा से संगठनात्मक संतुलन, राजनीतिक अनुभव और सामाजिक प्रतिनिधित्व के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जाती रही हैं। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि पार्टी इस बार उन नेताओं को फिर अवसर देती है, जिनका संसदीय अनुभव और संगठन में लंबा योगदान रहा है, या नए चेहरों को आगे लाकर संगठन में नई ऊर्जा और पीढ़ीगत बदलाव का संदेश देती है। पार्टी के भीतर लंबे समय से यह चर्चा रही है कि अनेक वरिष्ठ और समर्पित कार्यकर्ता लगातार संगठन के लिए काम करने के बावजूद बड़े दायित्वों से दूर रहे हैं। राज्यसभा की संभावित आठ सीटें ऐसे कार्यकर्ताओं के लिए राजनीतिक पुनर्स्थापना और सम्मान का महत्वपूर्ण अवसर बन सकती हैं।

सामाजिक और क्षेत्रीय समीकरण भी होंगे अहम

राज्यसभा उम्मीदवारों के चयन में केवल व्यक्तिगत राजनीतिक कद ही नहीं, बल्कि क्षेत्रीय, सामाजिक और संगठनात्मक प्रतिनिधित्व भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े और विविधतापूर्ण राज्य में पार्टी के सामने विभिन्न क्षेत्रों और सामाजिक समूहों के बीच संतुलन कायम रखने की चुनौती होगी। इसके अलावा, आगामी विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए उम्मीदवारों का चयन पार्टी की राजनीतिक रणनीति और संगठनात्मक प्राथमिकताओं का स्पष्ट संकेत भी दे सकता है। ऐसे में हर नाम के साथ उसके क्षेत्रीय प्रभाव, सामाजिक स्वीकार्यता और संगठन में योगदान का आकलन किया जाना तय माना जा रहा है।

दावेदारों की लंबी सूची, फैसला शीर्ष नेतृत्व के हाथ

राज्यसभा की संभावित सीटों को लेकर भाजपा के भीतर कई नामों की चर्चा शुरू हो चुकी है। इनमें वर्तमान और पूर्व पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता, संगठन में लंबे समय से सक्रिय कार्यकर्ता तथा विभिन्न सामाजिक वर्गों का प्रतिनिधित्व करने वाले चेहरे शामिल हो सकते हैं। हालांकि, अंतिम निर्णय भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व ही करेगा। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि पार्टी अनुभव और निरंतरता को प्राथमिकता देती है या नए चेहरों और लंबे समय से प्रतीक्षारत कार्यकर्ताओं को अवसर देकर संगठन में नई उम्मीद जगाती है। राज्यसभा की इन सीटों का फैसला केवल संसद में भाजपा की संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं होगा, बल्कि इसे पार्टी के संगठनात्मक संतुलन, सामाजिक समीकरणों और भविष्य की राजनीतिक दिशा के महत्वपूर्ण संकेत के रूप में भी देखा जाएगा।

गुजरात के अहमदाबाद को केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने दी सौगात

साबरमती का भी किया जिक्र

एलएनजी से चलने वाली देश की पहली 'सुविधाजनक' ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

गुजरात के अहमदाबाद में आज रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने साबरमती रेलवे स्टेशन से एलएनजी से चलने वाली देश की पहली ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इस मौके पर उन्होंने इसे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। शाह ने कहा कि आज हम साबरमती की उस धरती पर खड़े हैं, जो आत्मशक्ति और सत्य के प्रयोगों की भूमि रही है। यहां से कुछ ही किलोमीटर दूर महात्मा गांधी ने अपना आश्रम स्थापित किया था और साबरमती आश्रम को देशभर में स्वतंत्रता आंदोलन का केंद्र बनाया था। यहीं से महात्मा गांधी ने सत्याग्रह, सादा जीवन, ग्रामीण विकास और खादी से जुड़े अपने प्रयोगों को जमीनी स्तर पर लागू करना शुरू किया। यहां यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को और मजबूत करेंगे।

यात्रियों को और सुरक्षा और सुविधाएं देंगे

उन्होंने साबरमती रेलवे स्टेशन में हुए बदलाव का जिक्र करते हुए कहा कि कोई यकीन नहीं कर सकता

कि यह वही स्टेशन है जहां 1980 के दशक में लोगों को रिक्शा लेने के लिए करीब 2किमीपैदल चलना पड़ता था। आज यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और कनेक्टिविटी के मामले में यहां बड़ा बदलाव आया है। यहां से मेट्रो रेल, राज्य परिवहन बस स्टैंड और आने वाली हाई-स्पीड रेल सेवा तक पहुंच संभव है। साबरमती में 1,472 करोड़ की विभिन्न रेलवे परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास आने वाले दिनों में यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को और मजबूत करेगा।

जल जीवन मिशन की टंकियां ईडी के रडार पर, उठे कई सवाल

13 कंपनियों और संस्थाओं के ठेके, टेंडर, भुगतान व बैंक खातों का ब्योरा तलब—चरखारी विधायक पहले ही उठा चुके हैं जांच की मांग

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति के लिए कराए गए कार्यों को लेकर अब जांच का दायरा बढ़ता दिखाई दे रहा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की लखनऊ इकाई ने उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) से 13 बड़ी कंपनियों एवं संस्थाओं से जुड़े ठेकों, टेंडरों, अनुबंधों, भुगतानों तथा बैंक खातों का विस्तृत ब्योरा मांगा है। जांच एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि विभिन्न परियोजनाओं के ठेके किस आधार पर आवंटित किए गए और सरकारी धन का प्रवाह किन-किन खातों तक हुआ। ईडी की इस कार्रवाई के बाद जल जीवन मिशन से जुड़े कार्यों और उनकी गुणवत्ता को लेकर राजनीतिक गलियारों में भी चचाएं तेज हो गई हैं। हालांकि, जांच अभी प्रक्रिया में है और जांच एजेंसी के निष्कर्ष सामने आने तक किसी व्यक्ति या संस्था पर अनियमितता अथवा भ्रष्टाचार का आरोप अंतिम रूप से नहीं लगाया जा सकता। इसी बीच चरखारी से विधायक गुड्डू भैया द्वारा जल जीवन मिशन के कार्यों की जांच की मांग किए जाने का मामला भी चर्चा में है। विधायक ने सार्वजनिक रूप से यह सवाल उठाया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्रों के लिए भेजे गए धन का सही उपयोग होना चाहिए और जनता के पैसे की बबार्दी नहीं होनी चाहिए। उनके और संबंधित विभागीय स्तर पर हुए मतभेदों को लेकर भी उस समय चचाएं सामने आई थीं। जल जीवन मिशन के तहत पानी की टंकियों के निर्माण की गुणवत्ता को

लेकर उत्तर प्रदेश के लखीमपुर जिले से सामने आया एक मामला भी गंभीर सवाल खड़े करता है। बताया गया कि करीब तीन करोड़ रुपये की लागत से निर्मित पानी की टंकी में पहली बार पानी भरे जाने के दौरान ही टंकी फटकर नीचे आ गिरी। घटना ने निर्माण की गुणवत्ता, तकनीकी निगरानी और सरकारी धन के उपयोग को लेकर सवाल खड़े कर दिए। यदि करोड़ों रुपये खर्च कर तैयार की गई पेयजल परियोजनाएं पहली ही परीक्षा में विफल होती हैं तो यह केवल निर्माण की गुणवत्ता का विषय नहीं, बल्कि सरकारी धन की निगरानी और जवाबदेही का भी गंभीर प्रश्न बन जाता है।

मंत्री स्वतंत्र देव सिंह की भूमिका पर भी निगाहें

जल जीवन मिशन से संबंधित विभागीय जिम्मेदारी मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के पास होने के कारण ईडी की जांच और परियोजनाओं से जुड़े सवालों के बीच राजनीतिक चचाएं स्वाभाविक रूप से तेज हैं। हालांकि, केवल मंत्रालय का प्रभार किसी मंत्री की व्यक्तिगत संलिप्तता का प्रमाण नहीं है। फिलहाल उपलब्ध जानकारी के आधार पर यह कहना जल्दबाजी होगी कि मंत्री स्वयं ईडी की जांच के दायरे में हैं। लेकिन बड़ा सवाल यह जरूर है कि यदि जांच में टेंडर प्रक्रिया, ठेका आवंटन, भुगतान या धन के अंतिम लाभार्थियों के स्तर पर गंभीर अनियमितताएं सामने आती हैं, तो जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया कितने ऊपर तक जाएगी? अब निगाहें ईडी की जांच पर टिकी हैं। जांच से यह स्पष्ट होने की उम्मीद है कि जल जीवन मिशन के नाम पर खर्च हुए सरकारी धन का वास्तविक उपयोग किस प्रकार हुआ, टेंडर प्रक्रिया कितनी पारदर्शी रही और जिन परियोजनाओं पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए, उनकी गुणवत्ता की जिम्मेदारी आखिर किसकी थी। जनता के पैसे से बनी पानी की टंकियां यदि पानी भरने से पहले ही सवालों के घेरे में आ जाएं, तो जवाबदेही तय होना जरूरी है—क्योंकि हर बूंद के साथ जनता के टैक्स का पैसा भी जुड़ा है।

सई नदी हादसा: अपनों को खोने का दर्द नहीं भर सकती मदद, मगर सरकार परिवारों के साथ खड़ी: अमरेश रावत

अमन लेखनी समाचार

सिसेंडी पहुंचकर विधायक ने मृतकों के आश्रितों को सौंपे ?4-4 लाख के चेक, एसडीएम आकाश सिंह रहे मौजूद; नवजात बेटी के हाथों चेक देख नम हुईं आंखें

मोहनलालगंज। सई नदी के जबरेला पुल के पास गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुए दर्दनाक हादसे ने सिसेंडी गांव को गहरे सदमे में डाल दिया हादसे में जान गंवाने वाले धीरज, हरिप्रसाद और प्रमोद के परिवारों के बीच रविवार को क्षेत्रीय विधायक अमरेश रावत पहुंचे उन्होंने शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाते हुए तीनों मृतकों के आश्रितों को ?4-4 लाख की आर्थिक सहायता के चेक सौंपे।

इस दौरान उपजिलाधिकारी आकाश सिंह समेत प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे विधायक ने पीड़ित परिवारों के दुख में सहभागी होते हुए कहा कि किसी अपने को खोने का दर्द किसी भी आर्थिक सहायता से कम नहीं किया जा सकता लेकिन इस कठिन समय में सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री राहत कोष समेत शासन की सभी अनुमन्य योजनाओं का लाभ पात्र परिवारों तक जल्द से जल्द पहुंचाया जाए ताकि उन्हें आर्थिक संकट का सामना न करना पड़े।

नवजात बेटी के हाथों में चेक देख भर आईं आंखें

सिसेंडी में सहायता वितरण के दौरान सबसे भावुक दृश्य उस समय सामने आया जब विधायक अमरेश रावत ने दिवंगत हरिप्रसाद की नवजात पुत्री के हाथों में सहायता राशि का चेक सौंपा हरिप्रसाद की हादसे में मौत के अगले ही दिन उनकी बेटी ने जन्म लिया था परिवार के लिए खुशी का पल मातम में बदल गया वहीं हादसे में जान गंवाने वाले धीरज की पत्नी गर्भवती दोनों परिवारों की स्थिति देखकर वहां मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं ग्रामीणों ने कहा कि एक तरफ घर में नई जिंदगी की दस्तक थी तो दूसरी तरफ अपनों के चले जाने का असहनीय दुख।

सरकारी सहायता में नहीं आने दी जाएगी कोई बाधा: एसडीएम

उपजिलाधिकारी आकाश सिंह ने कहा कि पीड़ित परिवारों को राहत और पुनर्वास से जुड़ी सभी औपचारिकताएं जल्द पूरी कराई जा रही किसी भी पात्र परिवार को सरकारी सहायता मिलने में कोई परेशानी नहीं होने दी जाएगी मौके पर पूर्व मंडल अध्यक्ष सुधांशु सिंह, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष अभय सिंह समेत कई ग्रामीण मौजूद रहे।

सिसेंडी में पसरा है मातम, हर आंख में अपनों को खोने का दर्द

धीरज, हरिप्रसाद और प्रमोद के असमय निधन से पूरा सिसेंडी गांव अब भी शोक में डूबा हादसे के बाद से ग्रामीण लगातार पीड़ित परिवारों के घर पहुंचकर सांत्वना दे रहे तीनों परिवार आर्थिक रूप से कमजोर और उनके सामने आजीविका व भविष्य की बड़ी चुनौती खड़ी। ग्रामीणों का कहना कि हादसे की टीस आज भी गांव के हर घर में महसूस की जा रही दिवंगत युवकों की यादें परिजनों की आंखें बार-बार नम कर देती ऐसे मुश्किल समय में प्रशासन जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मिलकर पीड़ित परिवारों का सहारा बनने की कोशिश कर रहे।

बहू-बेटी सम्मेलन में महिलाओं को सुरक्षा और अधिकारों की जानकारी

अमन लेखनी समाचार

निगोहां। मिशन शक्ति अभियान के तहत रविवार को थाना निगोहां पुलिस ने ग्राम रामपुर गढ़ी में बहू-बेटी सम्मेलन आयोजित कर महिलाओं और बेटियों को सुरक्षा सम्मान और उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया कार्यक्रम पुलिस उपायुक्त दक्षिणी मो. मुश्ताक के कुशल निर्देशन एवं वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर आयोजित किया गया सम्मेलन में पुलिस टीम ने महिलाओं को घरेलू हिंसा दहेज प्रताड़ना शारीरिक एवं मानसिक उत्पीड़न आत्महत्या की रोकथाम तथा महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी साथ ही सामाजिक कुरीतियों का विरोध करने और किसी भी प्रकार की प्रताड़ना की स्थिति में पुलिस की सहायता लेने के लिए प्रेरित किया इस दौरान महिला सुरक्षा से संबंधित हेल्पलाइन 1090,112,181,1076 तथा साइबर अपराध की शिकायत के लिए 1930 हेल्पलाइन की जानकारी दी गई साथ ही महिला हेल्प डेस्क महिला सशक्तिकरण केंद्र यूपी कॉप ऐप और साइबर अपराध से बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जागरूक किया गया पुलिस टीम ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सर्वोच्च प्राथमिकता किसी भी प्रकार की समस्या या अपराध की स्थिति में तत्काल पुलिस से संपर्क करे कार्यक्रम के अंत में उपस्थित महिलाओं और बेटियों को मिशन शक्ति केंद्र का सीयूजी नंबर भी उपलब्ध कराया गया सम्मेलन में बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं एवं युवतियां मौजूद रहीं।

शराब कारोबारी को घेरकर पीटा, चार पर मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। कनकहा रंजीतखेड़ा पुलिया के पास शराब कारोबारी से मारपीट और धमकी देने का मामला सामने आया पीड़ित की तहरीर पर मोहनलालगंज पुलिस ने चार नामजद समेत पांच-छह अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी उन्नाव के आसीवन थाना क्षेत्र निवासी दुर्गाप्रसाद ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि शनिवार देर रात रंजीतखेड़ा पुलिया के पास धर्मराज, करन, सूरज और टिंडू निवासी रंजीतखेड़ा कनकहा समेत अन्य लोगों ने एक राय होकर उनके साथ गाली-गलौज की और मारपीट कर दी। आरोप है कि विरोध करने पर आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी पीड़ित का आरोप है कि मारपीट के दौरान उनकी सोने और चांदी की अंगूठियां और जेब में रखे 18 हजार रुपये गिर गए घटना के बाद उन्होंने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। मोहनलालगंज पुलिस ने तहरीर के आधार पर बीएनएस की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सड़क किनारे खड़े ट्रक, डंपर और कंटेनर बने हादसों का कारण

लोनहां जाने वाले रोड पर भारी वाहनों की कतार, सड़क पर फैली गिट्टी,

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर क्षेत्र में सड़क किनारे खड़े ट्रक, डंपर और कंटेनर हादसों का कारण बनते जा रहे हैं। स्कूटर इंडिया से पिपरसंड होते हुए लोनहां जाने वाले रोड पर भारी वाहनों की कतार और गिट्टी प्लांट से सड़क पर फैली गिट्टी के कारण राहगीरों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। इससे दोपहिया वाहन चालकों के फिसलकर गिरने का खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों के मुताबिक सड़क के एक ओर गिट्टी प्लांट के ट्रकों की लाइन लगी रहती है, जबकि दूसरी ओर छोटे-बड़े वाहनों का आवागमन होता है। कई बार बाइक सवार गिट्टी पर फिसलकर हादसे का शिकार हो चुके हैं। बीते पांच अप्रैल को हुए हादसे में लोनहां निवासी मीरा देवी की मौत भी हो गई थी। तब हादसे के बाद प्लांट प्रबंधन ने सड़क पर झाड़ू लगाकर सफाई कराई थी, लेकिन कुछ दिन बाद स्थिति फिर जस की तस हो गई। इस पर रविवार को पिपरसंड-लोनहां मार्ग पर एक के पीछे एक भारी ट्रकों की कतार लगी देख ग्राम प्रधान और ग्रामीणों ने पीआरवी-112 को सूचना दी। तब मौके पर पहुंची पुलिस ने सड़क पर खड़े ट्रकों को हटवाकर यातायात सुचारु कराया। इस दौरान लोगों ने कहा कि भारी वाहनों के खड़े होने से सामने से आने वाले वाहनों को निकलने में परेशानी होती है और छोटे वाहन चालकों को कच्चे हिस्से में उतरना पड़ता है। रविवार को सूचना पाकर मौके पर पहुंचे हल्का इंचार्ज ने प्लांट मैनेजर को बुलाने को कहा, लेकिन कर्मचारियों ने मैनेजर के मौजूद न होने की बात कही। वहीं इस दौरान सड़क किनारे खड़ी झाड़ियों और सड़क पर बने गड्ढ़ो को लेकर ग्राम प्रधान और ग्रामीणों ने झाड़ियां हटवाईं और गड्ढों में मलबा डलवाकर उन्हें समतल कराया। साथ ही ट्रक चालकों को सड़क किनारे वाहन खड़ा न करने की हिदायत दी।

पुलिस ने बहू-बेटी सम्मेलन आयोजित कर महिलाओं व बालिकाओं को किया जागरूक

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान के तहत रविवार को सरोजनीनगर, बंथरा और बिजनौर थाना क्षेत्रों में पुलिस ने बहू-बेटी सम्मेलन आयोजित कर महिलाओं व बालिकाओं को सुरक्षा, सम्मान, अधिकार और सशक्तिकरण के प्रति जागरूक किया। डीसीपी दक्षिणी मो. मुश्ताक के निर्देशन में चलाए जा रहे इस अभियान के तहत सरोजनीनगर पुलिस द्वारा बेहसा में सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें उप निरीक्षक यशवंत सिंह, महिला उप निरीक्षक साधना देवी, महिला उप निरीक्षक निर्देश राजपूत और महिला कांस्टेबल सुनीता ने महिलाओं और बालिकाओं से घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना व लैंगिक अपराध के खिलाफ चुप न रहने और जरूरत पड़ने पर पुलिस की सहायता लेने की अपील की। साथ ही विपरीत परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखने और आत्महत्या जैसे कदम न उठाने के लिए भी जागरूक किया। वहीं साइबर ठगी से बचाव के लिए ओटीपी और पासवर्ड साझा न करने व संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करने की सलाह दी। इसी तरह बंथरा थाने की मिशन शक्ति केंद्र टीम ने बेंती गांव में आशा बहू और ग्राम प्रधान की मौजूदगी में चौपाल लगाकर बहू-बेटियों को उनके अधिकारों की जानकारी दी। उन्होंने अविवाहित युवतियों और छात्राओं से संवाद स्थापित कर जल्दबाजी में निर्णय न लेने और समस्याओं को परिवार के साथ साझा करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उन्होंने हेल्पलाइन नंबरों के पंपलेट भी वितरित किए। वहीं बिजनौर पुलिस टीम ने प्राइम सिटी में बहू-बेटी सम्मेलन आयोजित कर महिलाओं को घरेलू हिंसा, दहेज प्रताड़ना और अन्य अपराधों के विरोध के साथ महिला सुरक्षा केंद्र, महिला हेल्प डेस्क, यूपी कॉप एप और साइबर अपराध से बचाव की जानकारी दी। इस दौरान पुलिस टीम द्वारा तीनों स्थानों पर 1090, 181, 1076, 112, 1930, 101, 102 व 108 हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। साथ ही मिशन शक्ति केंद्रों के सीयूजी नंबर भी साझा किए गए।

पेड़ की डाल गिरने से बिजली के 7 खंभे उखड़ कर जमीन पर गिरे,

200 मकानों की बिजली ठप, उपभोक्ताओं का पावर हाउस पर हंगामा

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर में शनिवार दोपहर बाद करीब 3 बजे डबल पोल ट्रांसफार्मर सहित हाई वोल्टेज विद्युत लाइन के टूटे 7 खम्भों को अब तक न लगाए जाने से नाराज उपभोक्ता रविवार को नादरगंज पावर हाउस पहुंच गए और हंगामा करने लगे। हालाकि बाद में संबंधित अवर अभियंता ने जल्द खंबे बदलवाने का आश्वासन देकर उन्हें शांत किया। सरोजनीनगर के अमौसी स्थित साईं सुरक्षा नगर में रहने वाले लोगों का कहना था कि नादरगंज पावर हाउस के गौरी फीडर से उनके यहां विद्युत की सप्लाई होती है। उन्होंने बताया कि शनिवार को हुई बारिश और तेज हवा से यहां एक पेड़ की डाल टूटकर 11000 वोल्टेज विद्युत लाइन पर गिर गई। जिससे डबल पोल में रखे ट्रांसफार्मर सहित विद्युत लाइन के साथ खंभे टूटकर जमीन पर गिर गए। इसके कारण यहां के करीब 200 मकानों की विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। साथ ही जमीन पर टूट कर गिरे तारों से राहगीरों के लिए बड़ा खतरा पैदा हो गया। इसको लेकर आनन-फानन इसकी शिकायत नादरगंज पावर हाउस के अधिकारियों से की गई। लेकिन अधिकारियों ने उनकी बात को गंभीरता से नहीं लिया। लोगों का कहना था कि सूचना पर सिर्फ दो विद्युत कर्मी मौके पर पहुंचे और देखकर वापस लौट गए इसके बाद कई बार अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन विद्युत विभाग के अधिकारियों ने उपभोक्ताओं की शिकायत पर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया। इसकी वजह से यहां के सारे उपभोक्ता पूरी रात अंधेरे में रहे। उनके घरों में समरसेबल नहीं चल सके जिससे उनके सामने पानी की समस्या खड़ी हो गई। इसी बात से नाराज दर्जनों उपभोक्ता रविवार सुबह करीब 10 बजे नादर गंज पावर हाउस पहुंचे और वहां हंगामा शुरू कर दिया। हंगामा होते देख पावर हाउस में मौजूद संबंधित अवर अभियंता दिनकर यादव ने जल्द ही उनके खंभे बदलवाकर विद्युत आपूर्ति चालू करने का आश्वासन दिया। जिसके बाद मामला शांत हुआ।

दादी को कुल्हाड़ी से काटने की धमकी, विरोध पर बहन को बेल्ट-लात घूंसों से पीटा

भाई-भाभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज, पीड़िता ने पुलिस से लगाई कार्रवाई की गुहार

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के राजाखेड़ा गांव में दादी के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी का विरोध करना एक युवती को भारी पड़ गया आरोप है कि भाई और भाभी ने पहले वृद्ध महिला के साथ मारपीट की और कुल्हाड़ी से काट डालने की धमकी दी विरोध करने पर दोनों ने युवती को बेल्ट और लात-घूंसों से पीटकर घायल कर दिया पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी पुलिस के अनुसार राजाखेड़ा गांव निवासी रीतू पुत्री राजकिशोर कोरी ने तहरीर देकर बताया कि शनिवार रात करीब 11 बजे उसके भाई वीरेन्द्र पुत्र राजकिशोर कोरी और भाभी अर्चना ने उसकी दादी के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की आरोप है कि इस दौरान दोनों ने दादी को कुल्हाड़ी से काट डालने की धमकी भी दी। रीतू ने जब दादी के साथ हो रहे दुर्व्यवहार का विरोध किया तो आरोप है कि वीरेन्द्र और अर्चना ने उसके साथ भी गाली-गलौज शुरू कर दी इसके बाद दोनों ने बेल्ट और लात-घूंसों से उसकी पिटाई कर दी जिससे उसे गंभीर चोटें आईं पीड़िता ने आरोप लगाया कि मारपीट के बाद आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी देकर भयभीत भी किया पीड़िता की शिकायत के आधार पर मोहनलालगंज पुलिस ने बीएनएस की संबंधित धाराओं में वीरेन्द्र और अर्चना के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया पुलिस मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई कर रही।

भारी बारिश के बीच कच्चे मकानों पर आफत, कई कच्चे मकानों की छतें और दीवारें भरभराकर

मलबे में दबकर घरेलू सामान खराब, परिवार के लोग थे सुरक्षित स्थानों पर, बड़ा हादसा टला

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। लगातार बारिश से जहां जगह-जगह जलभराव की स्थिति बनी हुई है, वहीं सरोजनीनगर ब्लॉक के लोनहा गांव में कई कच्चे मकानों की छतें और दीवारें भरभराकर ढह गईं। मकानों के मलबे में दबकर घरेलू सामान खराब हो गया। गनीमत रही कि हादसे के समय परिवार के लोग सुरक्षित स्थानों पर थे, जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया ग्रामीणों के मुताबिक लगातार बारिश के कारण कच्चे मकानों की दीवारों में नमी पहुंच गई थी। इससे मकान कमजोर हो गए और रविवार को बारिश के दौरान किसी मकान की छत तो कहीं दीवार अचानक गिर गई। यहाँ मजदूर बहादुर पुत्र स्व. शिवमंगल के कच्चे मकान की छत बारिश के चलते ढह गई। छत गिरने से मकान में रखा कुछ घरेलू सामान मलबे में दबकर खराब हो गया। इसी तरह महेंद्र सिंह पुत्र लालू सिंह, लक्ष्मी नारायण पुत्र स्व. रामसहाय और राजबहादुर पुत्र स्व. राधेलाल रावत के कच्चे मकानों की भी छत अथवा दीवार गिरने की बात सामने आई है। इसके अलावा दिलावर, राहुल रावत और अनिल के कच्चे मकानों को भी बारिश से नुकसान पहुंचा है ग्रामीणों के मुताबिक कुछ परिवारों के सदस्य मकानों के आसपास सो रहे थे, लेकिन समय रहते सुरक्षित स्थान पर चले जाने से किसी के चोटिल होने की सूचना नहीं है। मकानों के क्षतिग्रस्त होने से प्रभावित परिवारों के सामने रहने और घरेलू सामान की व्यवस्था की समस्या खड़ी हो गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से क्षतिग्रस्त मकानों का सर्वे कराकर पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता और आवश्यक मदद उपलब्ध कराने की मांग की है।

बेहता नाले में नहाने उतरे ई-रिक्शा चालक की डूबने से मौत

गोताखोरों ने 20 मिनट की मशक्कत के बाद बरामद किया शव, परिजनों में मचा कोहराम

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। बेहता नाले में नहाने उतारे ई रिक्शा चालक की डूबने से मौत हो गई सूचना पर पहुंची गोताखोरों की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला पुलिस ने पंचनामा भर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार रहीमाबाद के बाकीनगर निवासी मुफीस (35) रविवार शाम को बेहता नाले से जुड़े एक तालाब में नशे की हालत में नहाने उतरा था। इसके बाद मौके पर पहुंचे परिजन उसे पकड़ कर वापस घर ले गए। कुछ देर बाद वह वापस आकर फिर नहाना शुरू कर दिया करीब 200 मीटर बेहता नाला पार कर, आधी दूरी से अधिक दूरी तय कर वापस लौट रहा था। तभी वह गहरे पानी में डूबने लगा जिसके चलते उसने तीन बार बचाओ बचाओ की आवाज दी। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने उसे किनारे से एक डंडा पकड़ाने की कोशिश की लेकिन वह डंडा पकड़ नहीं सका। और गहरे पानी में डूब गया। इसके बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना रहीमाबाद पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीण गोताखोरों की टीम बुलाकर डूबे चालक की शिनाख्त शुरू की 20 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद गोताखोरों की टीम ने शव को बाहर निकाला शव मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक दिल्ली प्रदेश में रहकर ई रिक्शा चलाता था। बताया जा रहा है कि वह करीब दस वर्षों से परिवार के साथ दिल्ली में रह रहा था। वहीं ई रिक्शा चलाकर परिवार का भरण पोषण करता था। 25 सितंबर को परिवार के साथ वापस अपने गांव लौटा था। मृतक के परिवार में पत्नी फिरोज, बेटा फाजिल 7 वर्ष है जिनका रो-रो कर बुरा हाल है। इस संबंध में मलिहाबाद एसीपी ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि गोताखोरों की मदद से शव को बेहता नाले से निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। और घर वालों से आगे की जानकारी जुटाई जा रही है।

भारतीय किसान यूनियन कमेरा ने किया पदाधिकारियों का मनोनयन

नवनियुक्त पदाधिकारियों ने किसान हितों की रक्षा का लिया संकल्प

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। भारतीय किसान यूनियन कमेरा ने रविवार को संगठन को मजबूत करने के लिए कई पदाधिकारियों का मनोनयन किया। जिसमें सुजीत कुमार वर्मा को जिला महासचिव लखनऊ, सोनू रावत को जिला संयोजक लखनऊ, दिलीप कुमार यादव को जिला सचिव लखनऊ, संदीप रावत को जिला सचिव लखनऊ तथा बृजेश कुमार यादव को तहसील संयोजक मोहनलालगंज की जिम्मेदारी दी गई है। मनोनयन के बाद नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा से करने की बात कही। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने तथा उनके अधिकारों की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। पदाधिकारियों ने किसान हितों की रक्षा, किसानों की समस्याओं के समाधान और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का संकल्प लिया। संगठन से जुड़े कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर भारतीय किसान यूनियन कमेरा के प्रदेश अध्यक्ष सुशील दीक्षित, लखनऊ के जिला अध्यक्ष नरोत्तम पासवान, जिला कोषाध्यक्ष प्रीतम सिंह यादव, बाराबंकी के जिला अध्यक्ष श्री चन्द्र रावत, जिला उपाध्यक्ष बाराबंकी राम मिलन गौतम, जिला कोषाध्यक्ष बाराबंकी मनोज कुमार रावत, तहसील मोहनलालगंज महासचिव साजन रावत, रामकुमार, मोहम्मद इस्लाम, रामू, काशी प्रसाद, राहुल हिंदुस्तानी व संदीप यादव समेत कई लोग मौजूद रहे।

सोनिया गांधी की नागरिकता और वोटर लिस्ट पर पंकज चौधरी का बड़ा हमला

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बोले—फॉर्म-6 में बदलाव पर विपक्ष जवाब दे, संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने की कोशिश बंद हो

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने शनिवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता में मतदाता सूची और संवैधानिक संस्थाओं को लेकर विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने पिछले दो दिनों से जारी विवाद का उल्लेख करते हुए विपक्ष के रुख पर सवाल उठाए और निर्वाचन प्रक्रिया को लेकर उठाए जा रहे सवालों को लेकर जवाबदेही तय करने की मांग की।

पंकज चौधरी ने फॉर्म-6 में बदलाव का मुद्दा उठाते हुए कहा कि मतदाता सूची से संबंधित प्रक्रिया को लेकर विपक्ष द्वारा भ्रम फैलाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं पर लगातार सवाल उठाना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने सोनिया गांधी से जुड़े पुराने मतदाता सूची मामले का भी उल्लेख किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सोनिया गांधी को वर्ष 1983 में भारतीय नागरिकता मिली थी, जबकि इससे पहले ही उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज होने का मामला सामने आया है।

भाजपा की ओर से इस मामले में फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल के आरोप भी लगाए गए हैं।

यह मामला अब न्यायिक प्रक्रिया में भी फिर चर्चा में है। दिल्ली की एक अदालत ने सोनिया गांधी का नाम भारतीय नागरिकता प्राप्त करने से पहले मतदाता सूची में शामिल किए जाने के आरोप की जांच से इनकार करने वाले मजिस्ट्रेट के आदेश को रद्द कर मामले की नए सिरे से सुनवाई का निर्देश दिया है। अगली सुनवाई 29 सितंबर को निर्धारित है। पंकज चौधरी ने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करने से पहले तथ्यों को सामने रखना चाहिए। उन्होंने विपक्ष पर संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने का आरोप लगाते हुए कहा कि पूरे मामले में जिन लोगों की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं, उन्हें देशवासियों के सामने स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो जनता से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियाद है और इससे जुड़े किसी भी मामले की निष्पक्ष एवं तथ्यपरक जांच होनी चाहिए।

संक्षेप

बहन के लिए मछली लेकर निकले युवक की तालाब में डूबने से मौत, भाजपा कार्यकर्ता ने निकाला शव

उन्नाव। लगातार हो रही रुक-रुक कर बारिश से जनजीवन प्रभावित है। मौरावां क्षेत्र में पिछले 24 घंटे में हुई तेज बारिश के चलते नदी, तालाब और पोखर पूरी तरह भर गए हैं। इसी बीच बीती रात एक दर्दनाक हादसा हो गया।मौरावां थाना क्षेत्र के दरेहटा गांव निवासी ललित कुमार की परेता तालाब में डूबने से मौत हो गई। तालाब में शव उतराता देख ग्रामीणों में अफरा-तफरी फैल गई और खबर पूरे इलाके में तेजी से फैल गई।लापता बेटे की तलाश में पिता लक्ष्मी नारायण रावत मौके पर पहुंचे तो बेटे का शव देखकर उनके होश उड़ गए। परिजनों ने बताया कि ललित अपनी बहन को देने के लिए बाजार से मछली लेकर निकला था, जो पास के नवाब खेड़ा गांव में रहती है। वह न तो बहन के घर पहुंचा और न ही वापस लौटा। इस पर परिवार ने खोजबीन शुरू की। सुबह मौत की खबर मिलते ही घर में चीख-पुकार मच गई।बताया गया कि मृतक ललित की शादी तीन साल पहले हिलौली ब्लॉक के मदा खेड़ा गांव की श्री कांति के साथ हुई थी। उसकी एक साल की बेटी अनाया है। बेटे की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।ग्रामीणों ने शव की तलाश शुरू की। इस दौरान पुरवा विधायक अनिल सिंह के सक्रिय कार्यकर्ता धर्मेंद्र कुमार रावत ने डोंगी नाव की मदद से काफी प्रयास के बाद शव को तालाब से बाहर निकाला।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी कुंवर बहादुर सिंह ने बताया कि अधिक जलभराव के कारण पैर फिसलने से ललित तालाब में गिर गया और डूबने से उसकी मौत हो गई। पंचनामा की कार्रवाई की जा रही है और रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

बारिश में कच्ची दीवार गिरने से अधेड़ की दबकर मौत, परिवार में मचा कोहराम

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र के रसूलाबाद गांव के फिरोज नगर मोहल्ले में शनिवार रात करीब 10 बजे लगातार हो रही बारिश के बीच कच्ची दीवार गिरने से एक अधेड़ की दबकर मौत हो गई। मृतक की पहचान 55 वर्षीय रमेश पुत्र कल्लू के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि रमेश घर के आसपास मौजूद थे, तभी बारिश के कारण कमजोर हो चुकी कच्ची दीवार अचानक भरभराकर गिर गई और वे मलबे के नीचे दब गए। दीवार गिरने की आवाज सुनकर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और मलबा हटाकर रमेश को बाहर निकाला। परिजन उन्हें अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जानकारी जुटाई। ग्रामीणों के मुताबिक लगातार बारिश से कच्चे मकानों और जर्जर दीवारों के गिरने का खतरा बढ़ गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जर्जर भवनों का निरीक्षण कराने और पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की है।

गंगा के जलस्तर में फिर तेज बढ़ोतरी, चेतावनी बिंदु से महज 29 सेमी दूर

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। लगातार हो रही बारिश के बीच गंगा के जलस्तर में एक बार फिर तेजी से बढ़ोतरी शुरू हो गई है। शनिवार शाम से रविवार सुबह तक महज 12 घंटे में गंगा का जलस्तर करीब 30 सेंटीमीटर बढ़ गया। रविवार सुबह आठ बजे केंद्रीय जल आयोग के अनुसार गंगा का जलस्तर 111.710 मीटर दर्ज किया गया। यह चेतावनी बिंदु 112 मीटर से महज 29 सेंटीमीटर नीचे है। तेजी से बढ़ते जलस्तर को देखते हुए गंगा के तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है।

केंद्रीय जल आयोग के आंकड़ों के मुताबिक शुक्रवार शाम गंगा का जलस्तर 110.850 मीटर था। शनिवार सुबह आठ बजे यह बढ़कर 110.970 मीटर हो गया। दोपहर 12 बजे जलस्तर 111.080 मीटर और शनिवार शाम तक 111.310 मीटर पहुंच गया। इसके बाद रविवार सुबह आठ बजे जलस्तर 111.710 मीटर दर्ज किया गया। इस तरह शनिवार शाम से रविवार सुबह तक करीब 30 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी हुई।

दो सप्ताह पहले पार कर चुका है खतरे का निशान

करीब दो सप्ताह पहले गंगा का जलस्तर खतरे के निशान 113 मीटर को पार कर गया था। उस दौरान तटीय इलाकों में बाढ़ का पानी पहुंचने से ग्रामीणों और स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा था। बाद में जलस्तर तेजी से घटने लगा था। चेतावनी बिंदु से नीचे आने के बाद कई स्थानों से बाढ़ का पानी उतर गया था, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली थी।

बारिश से फिर बढ़ने लगा पानी

लगातार बारिश के बाद गंगा के जलस्तर में फिर तेजी से वृद्धि होने लगी है। तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोग नदी के जलस्तर पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। पानी बढ़ने के साथ संभावित बाढ़ को लेकर ग्रामीणों की चिंता भी बढ़ गई है।

केंद्रीय जल आयोग के अनुसार बारिश के कारण गंगा के जलस्तर में अभी और बढ़ोतरी की संभावना बनी हुई है। वहीं, गंगा बैराज के कई गेट खोले जाने के बाद भी नदी में पानी बढ़ने की स्थिति सामने आ रही है। उत्तराखंड समेत पहाड़ी क्षेत्रों में भारी बारिश का दौर जारी रहने पर आने वाले दिनों में गंगा के जलस्तर में और वृद्धि होने की आशंका है।

प्रशासन की भी नदी पर नजर

गंगा का जलस्तर चेतावनी बिंदु के करीब पहुंचने के बाद प्रशासन भी स्थिति पर नजर बनाए हुए है। तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की निगाहें लगातार नदी के जलस्तर पर टिकी हैं। बढ़ते पानी को देखते हुए संभावित बाढ़ की स्थिति की निगरानी की जा रही है। ग्रामीण भी नदी के जलस्तर में होने वाले बदलाव को लेकर सतर्क हैं।

महिला के साथ युवकों ने की मारपीट दर्ज हुआ मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बारासगवर क्षेत्र के ग्राम अमानखेड़ा निवासिनी प्रेमा देवी पत्नी यशपाल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि शुबह वह जानवर बांधने के लिए खेत जा रही थीं। इसी दौरान रास्ते में राममोहन, बलवन्त उर्फ शिवप्रताप पुत्रगण अम्बिका प्रसाद, शान्ती देवी पत्नी शिवप्रताप और अरविन्द पुत्र राममोहन पहले से ही छत पर घात लगाकर बैठे थे। जैसे ही महिला उनके मकान के सामने से गुजरी, आरोपियों ने ऊपर से ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया। इसके बाद आरोपियों ने नीचे उतरकर महिला के बाल पकड़कर मारपीट की, जिससे महिला के हाथ की उंगलियों में गंभीर चोटें आईं। पीडिता का आरोप है कि ये लोग रास्ते में गोबर आदि डालते हैं और दबंग व झगड़ालू प्रवृत्ति के हैं। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र नाथ मिश्रा ने बताया प्राथमिकी दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है।

यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने को लेकर सीओ ट्रैफिक का निरीक्षण, पड़ाव अड्डों का लिया जायजा

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन लगातार सक्रिय है। इसी क्रम में शनिवार दिनांक 27 सितंबर 2026 को क्षेत्राधिकारी यातायात प्रदीप कुमार मौर्य ने नगर क्षेत्र में नगर पालिका द्वारा चिन्हित किए गए पड़ाव अड्डों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान सीओ ट्रैफिक ने सभी निर्धारित पड़ाव स्थलों पर पहुंचकर वहां की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने देखा कि निर्धारित स्थलों पर वाहनों का ठहराव ठीक से हो रहा है या नहीं, यातायात संचालन में कोई बाधा तो नहीं आ रही है और आमजन को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा का सामना तो नहीं करना पड़ रहा है।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने ड्यूटी पर मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए कि किसी भी वाहन को अवैध रूप से सड़क पर या गैर निर्धारित स्थान पर खड़ा न होने दिया जाए। सभी ऑटो, ई-रिक्शा और अन्य सवारी वाहनों का ठहराव केवल पालिका द्वारा चिन्हित पड़ाव स्थलों पर ही कराया जाए। उन्होंने कहा कि गलत जगह वाहन खड़े होने से जाम की स्थिति बनती है, जिससे स्कूली बच्चों, मरीजों और आम राहगीरों को परेशानी होती है।

सीओ ट्रैफिक ने यह भी कहा कि यातायात पुलिस की जिम्मेदारी है कि शहर में जाम की समस्या न होने पाए और लोग सुरक्षित रूप से अपने गंतव्य तक पहुंच सकें। उन्होंने यातायात कर्मियों को निर्देशित किया कि भीड़भाड़ वाले चौराहों और मुख्य मार्गों पर विशेष नजर रखी जाए और नियमों का पालन न करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

नीम का पेड़ विद्युत लाइन पर गिरा टला बड़ा हादसा

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अचलगंज कई दिनों से हो रही तेज बारिश से पेड़ो के गिरने का सिलसिला व्याप्त है बीती रात खरौली गांव में एक नीम का पेड़ विद्युत लाइन पर गिरने से बड़ा हादसा होने से बच गया।जबकि उसी पेड़ को कटाने के लिए बगल में बने मकान का मालिक एक महीने से उपजिलाधिकारी से लेकर वन विभाग के चक्कर काट रहा था लेकिन परमिशन मिलने से पहले ही पेड़ धराशाई हो गया। विकास खास सिकंदरपुर कर्ण के कोयली खेड़ा निवासी लाल बहादुर मौजूदा समय खरौली गांव में मकान बनवाकर परिवार सहित रहते है उनके मकान के पास ग्राम समाज के 3 नीम के पुराने पेड़ खड़े है जो जलभराव के चलते मकान की तरफ झुक गए है।गृह स्वामी जिनको कटाने के लिए एक महीने से एसडीएम से लेकर डीएफओ कार्यालय के चक्कर लगाते लगाते थक गया लेकिन जानलेवा पेड़ नहीं काटे जा सके।बीती रात वहीं पेड़ भरभराकर विद्युत लाइन पर गिर गया।जिससे पोल टूटने के साथ आपूर्ति बंद हो गई। सरकारी उदासीनता का यह आलम है कि उक्त पेड़ मकान पर गिरने से बच जाने से बड़ा हादसा होने से बच गया।जिससे गृह स्वामी ने राहत की सांस लेते हुए बताया कि अभी खतरे के दो पेड़ और खड़े है।जिनसे किसी क्षण हादसा होने से इनकार नहीं किया जा सकता है।

यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने को लेकर सीओ ट्रैफिक का निरीक्षण, पड़ाव अड्डों का लिया जायजा

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन लगातार सक्रिय है। इसी क्रम में शनिवार दिनांक 27 सितंबर 2026 को क्षेत्राधिकारी यातायात प्रदीप कुमार मौर्य ने नगर क्षेत्र में नगर पालिका द्वारा चिन्हित किए गए पड़ाव अड्डों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान सीओ ट्रैफिक ने सभी निर्धारित पड़ाव स्थलों पर पहुंचकर वहां की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने देखा कि निर्धारित स्थलों पर वाहनों का ठहराव ठीक से हो रहा है या नहीं, यातायात संचालन में कोई बाधा तो नहीं आ रही है और आमजन को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा का सामना तो नहीं करना पड़ रहा है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ड्यूटी पर मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए कि किसी भी वाहन को अवैध रूप से सड़क पर या गैर निर्धारित स्थान पर खड़ा न होने दिया जाए। सभी ऑटो, ई-रिक्शा और अन्य सवारी वाहनों का ठहराव केवल पालिका द्वारा चिन्हित पड़ाव स्थलों पर ही कराया जाए। उन्होंने कहा कि गलत जगह वाहन खड़े होने से जाम की स्थिति बनती है, जिससे स्कूली बच्चों, मरीजों और आम राहगीरों को परेशानी होती है।

सीओ ट्रैफिक ने यह भी कहा कि यातायात पुलिस की जिम्मेदारी है कि शहर में जाम की समस्या न होने पाए और लोग सुरक्षित रूप से अपने गंतव्य तक पहुंच सकें। उन्होंने यातायात कर्मियों को निर्देशित किया कि भीड़भाड़ वाले चौराहों और मुख्य मार्गों पर विशेष नजर रखी जाए और नियमों का पालन न करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

कई दिनों से हो रही बारिश के चलते मकान भरभरा कर गिरा

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। कई दिनों से लगातार हो रही बारिश के चलते क्षेत्र के ग्राम सैदापुर में एक मकान भरभराकर गिर गया। हादसे में फ्रिज, एलसीडी टीवी समेत करीब 50 हजार रुपये कीमत की गृहस्थी का सामान मलबे में दबकर बर्बाद हो गया। गनीमत रही कि हादसे के समय परिवार के सदस्य घर के बाहर थे।ग्राम सैदापुर निवासी अनुज मिश्रा पक्की दीवारों पर टीन डालकर परिवार के साथ किसी तरह गुजर-बसर कर रहा है। लगातार हो रही बारिश के कारण मकान की दीवारें कमजोर हो गईं। रविवार को अचानक दीवारें भरभरा कर गिर पड़ीं और पूरा मलबा घर में रखे सामान पर जा गिरा। मलबे में फ्रिज, एलसीडी टीवी, घरेलू उपकरण और अन्य सामान दब गया। पीड़ित के अनुसार करीब 50 हजार रुपये की गृहस्थी बर्बाद हो गई है। पीड़ित ने प्रशासन से आर्थिक सहायता दिए जाने की मांग की है।

पति-पत्नी के 34 विवादित जोड़ो की सकुशल की गयी विदाई

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जय प्रकाश सिंह वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन, आयुष श्रीवास्तव पुलिस अधीक्षक उत्तरी की अध्यक्षता में परिवार परामर्श केन्द्र एवं विभिन्न थानों में स्थित महिला हेल्प डेस्क में पति-पत्नी के विवादित जोड़ों को बुलाया गया। केंद्र में आए पति-पत्नी के विवादित मामलों की काउंसलिंग प्रक्रिया में स्वयं सहभागिता की। उन्होंने दंपतियों से संवाद करते हुए आपसी समझ, विश्वास एवं सकारात्मक बातचीत के माध्यम से पारिवारिक मतभेद दूर करने का प्रयास किया। काउंसलिंग के उपरांत कुछ दंपतियों की सफलतापूर्वक विदाई भी कराई गई। उन्होंने कहा कि परिवार में उत्पन्न विवादों को संवाद, समझ और उचित परामर्श के माध्यम से सुलझाने में परिवार परामर्श केंद्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम में परिवार परामर्श केंद्र समिति के प्रभारी डॉ. आशीष श्रीवास्तव, संजय चौरसिया, प्रभा यादव, डॉ. मनीष सिंह सेंगर, अबरार हुसैन, अबसार अली खान, डॉ. सगीर अहमद सहयोगी सलाहकार शिवेन्द्र सिंह चौहान, अंकित रघुवंशी उपस्थित रहे। पुलिस टीम से महिला थाना प्रभारी निरीक्षक रेखा सिंह, मिशन शक्ति प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमारी, निरीक्षक अरविंद पांडे, उपनिरीक्षक मिथिलेश कुमारी तथा आरक्षी सेविका, पूनम शाह ,मीनू, प्राची ,नीतू, आकांक्षा सेंगर ,अंजलि कुशवाहा ,दीपिका दीक्षित प्रियंका, राजनंदिनी, अंशु यादव, नरेंद्र राघव ,उप निरीक्षक मृत्युंजय ,महिला आरक्षी अंजली राजपूत, ,महिला आरक्षी तरुण रानी ,नीतू, रेनु कटिहार, दुर्गेश, शिखा, सुकृति सिंह, पुष्कर ,पूनम, पुष्पा यादव, अंशु ,अंशु रानी का विशेष योगदान रहा परिवार परामर्श केंद्र के कार्य में सक्रिय योगदान दिया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों, पुलिसकर्मियों एवं सलाहकारों ने परिवारों के विवादों को आपसी समझ, संवाद एवं सकारात्मक दृष्टिकोण के माध्यम से सुलझाने तथा महिला सुरक्षा एवं परिवार परामर्श से जुड़े प्रयासों को और प्रभावी बनाने की दिशा में निरंतर कार्य करने पर जोर दिया तथा पुलिस अधीक्षक उत्तरी ने प्रभारी सहित सभी सलाहकारों की सराहनीय कार्यों की सराहना की।

तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से स्कूटी सवार फार्मासिस्ट की मौत

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के शारदा नहर पटरी मार्ग के पीखी गांव समीप रविवार सुबह डंफर ने स्कूटी में टक्कर मार दी।टक्कर से स्कूटी सवार फार्मासिस्ट डंफर के नीचे आ गया जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्कूटी नंबर के आधार पर शिनाख्त कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।चालक डंफर छोड़ कर भाग खड़ा हुआ।मौत से परिजनों में कोहराम मच गया।

सफीपुर कस्बा के दुबियाना मोहल्ला निवासी रमेश विमल (59) पुत्र भूपनारायण फतेहपुर चौरासी के तकिया निगोही स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में फार्मासिस्ट के पद पर तैनात थे।रोज की भांति रविवार की सुबह वह स्कूटी से स्वास्थ्य मेले की ड्यूटी पर जा रहे थें।चौधरी खेड़ा शारदा नहर पटरी मार्ग के पीखी गांव के मोड़ पर पहुंचे थे तभी तेज रफ्तार डंफर ने पीछे से स्कूटी में टक्कर मार दी।टक्कर से स्कूटी सवार रमेश उछल कर डंफर के नीचे जा गिरा।जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई और शव छत विक्षत हो गया।ग्रामीणों के शोर मचाने पर चालक ट्रक छोड़ कर भाग खड़ा हुआ।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।रमेश की मौत से पत्नी सावित्री ,पुत्र अनुज,विवाहित तीन बेटियों आरती, अमिता, अंजली का रो रोकर बुरा हाल है। एसओ संदीप मिश्रा ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज कर चालक की तलाश की जा रही है।

डीजल विक्रेता पर चाकू से हमले के आरोपी शहबान को पुलिस ने मुठभेड़ में किया गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। सिकंदरपुर सरोसी निवासी डीजल विक्रेता नरेश जायसवाल पर चाकू से हमला कर हत्या के प्रयास के मामले में शनिवार देर रात पुलिस ने आरोपी शहबान को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के दाहिने पैर में गोली लगी है, उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार 25 सितंबर की रात करीब 9:30 बजे सिकंदरपुर सरोसी निवासी शहबान पुत्र रहमान, नरेश जायसवाल के घर के सामने पहुंचा था। बातचीत के बाद जैसे ही नरेश घर के अंदर जाने लगे, शहबान ने चाकू से उनके गले पर हमला कर दिया। हमले में नरेश गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों ने उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां से बेहतर इलाज के लिए हैलेट अस्पताल कानपुर रेफर किया गया। पुलिस के अनुसार उनकी हालत अब सामान्य है। घटना के संबंध में नरेश की पत्नी शैल जायसवाल ने 26 सितंबर को कोतवाली सदर में तहरीर दी थी। एसएसपी जय प्रकाश सिंह ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीमों को लगाया था। शनिवार देर रात एसओजी, सर्विलांस और कोतवाली सदर की संयुक्त टीम को सूचना मिली कि आरोपी नादाखेड़ा गांव में मौजूद है। टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ने का प्रयास किया तो आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी पुलिस ने तलाशी में आरोपी के पास से 315 बोर का एक अवैध तमंचा, एक खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस मामले में आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

जर्जर मकानों पर कार्यवाही 50 मकान चिन्हित

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जर्जर मकानों पर कार्रवाई, 50 मकान चिन्हितनोटिस की अवधि खत्म होने के बाद भी कई भवन बने खतरा, बारिश के बीच सिटी मजिस्ट्रेट ने किया निरीक्षण; छज्जा गिरने के बाद बैरिकेडिंग के निर्देश

उन्नाव। लगातार हो रही बारिश के बीच शहर में जर्जर और पुराने मकानों से हादसे का खतरा बढ़ता जा रहा है। रविवार दोपहर करीब ढाई बजे सिटी मजिस्ट्रेट मनोज सिंह ने नगर क्षेत्र में जर्जर मकानों का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एक पुराने मकान का छज्जा गिरा हुआ मिला। गनीमत रही कि छज्जा गिरने के समय आसपास कोई व्यक्ति इसकी चपेट में नहीं आया।

सिटी मजिस्ट्रेट ने मौके पर पहुंचकर मकान मालिक से बातचीत की और जर्जर हिस्से को सुरक्षित तरीके से हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने आसपास बैरिकेडिंग कराने के साथ ही मलबा हटाने के दौरान सुरक्षा के सभी जरूरी इंतजाम करने को कहा।

पुराने मकान का छज्जा गिरा

सिटी मजिस्ट्रेट मनोज सिंह ने बताया कि जिस मकान का छज्जा गिरा है, वह आशीष शुक्ला का है। मकान काफी पुराना और जर्जर स्थिति में है। मकान के निचले हिस्से में रखरखाव कराया गया था, लेकिन ऊपरी हिस्सा लंबे समय से इस्तेमाल में नहीं होने के कारण उसकी पर्याप्त देखरेख नहीं हो सकी। लगातार हो रही अत्यधिक बारिश के कारण पुराने भवन का छज्जा गिर गया।

मकान मालिक से बातचीत के बाद जर्जर हिस्से को हटाने पर सहमति बनी है। नगर पालिका के ईओ और जेई की निगरानी में पहले आसपास बैरिकेडिंग कराई जाएगी। इसके बाद मैनुअल लेबर की मदद से जर्जर हिस्से को हटाया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक आसपास दुकानें और घनी आबादी होने के कारण जेसीबी से भवन का हिस्सा गिराना सुरक्षित नहीं है।

50 जर्जर मकान पहले से चिन्हित

सिटी मजिस्ट्रेट ने बताया कि शहर में करीब 50 जर्जर मकान चिन्हित किए जा चुके हैं। इनमें कई भवन बेहद पुराने हैं और कुछ मकानों की उम्र करीब 100 वर्ष तक बताई जा रही है। इन भवनों के मालिकों को वैधानिक प्रक्रिया के तहत नोटिस भी जारी किए गए थे।

नोटिस के माध्यम से मकान मालिकों को जर्जर हिस्से को स्वयं हटाने के लिए समय दिया गया था। अधिकारियों के अनुसार निर्धारित समयावधि भी समाप्त हो चुकी है। इसके बावजूद जहां जर्जर हिस्से अभी तक नहीं हटाए गए हैं, वहां प्रशासन सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक कार्रवाई कर रहा है।

दो जर्जर मकानों को हटाया गया

अधिकारियों के अनुसार पिछले दिन शहर में दो जर्जर मकानों को हटाया गया। इनमें एक मकान को नगर पालिका की ओर से हटाया गया, जबकि दूसरे मकान के जर्जर हिस्से को मकान मालिक ने स्वयं मैनुअल लेबर की मदद से हटवा लिया।

प्रशासन का कहना है कि लगातार बारिश के कारण पुराने भवनों की स्थिति और भी खराब हो सकती है। ऐसे में जर्जर भवनों के आसपास रहने वाले लोगों और राहगीरों की सुरक्षा को देखते हुए निरीक्षण और कार्रवाई का सिलसिला जारी रहेगा।

जलभराव को लेकर लोगों में नाराजगी

जर्जर मकानों के निरीक्षण के दौरान कई वार्डों के लोग भी सिटी मजिस्ट्रेट मनोज सिंह से मिले। नगरवासियों ने अपने घरों के पीछे लंबे समय से भरे पानी के निकास की उचित व्यवस्था कराने की मांग की। लोगों ने जलभराव की समस्या को लेकर अधिकारियों के सामने नाराजगी जताई।

स्थानीय लोगों का कहना था कि घरों के पीछे जलनिकासी की समस्या को लेकर कई बार नगर पालिका में आयोजित बैठकों में जिम्मेदार अधिकारियों के सामने समस्या रखी जा चुकी है। इसके बावजूद समय रहते समस्या का समाधान नहीं कराया गया। लोगों ने कहा कि यदि पहले से जलनिकासी की व्यवस्था दुरुस्त कर दी जाती तो लगातार बारिश के दौरान उन्हें इस परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता।

'बारिश में भुगतना पड़ रहा समस्या का खामियाजा'

नगरवासियों ने सिटी मजिस्ट्रेट से कहा कि कई स्थानों पर बारिश का पानी घरों के पीछे और आसपास जमा हो गया है। पानी की निकासी नहीं होने से लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। कई परिवारों को घरों के आसपास जमा पानी के कारण दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

लोगों ने आरोप लगाया कि नगर पालिका की बैठकों में समस्या उठाने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों ने समय रहते गंभीरता नहीं दिखाई। अब लगातार बारिश के कारण वही समस्या विकराल रूप ले रही है और इसका खामियाजा नगरवासियों को भुगतना पड़ रहा है।सिटी मजिस्ट्रेट ने लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को जलनिकासी की स्थिति देखने तथा आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

खतरा दिखे तो प्रशासन को दें सूचना

सिटी मजिस्ट्रेट ने कहा कि बारिश के दौरान प्रशासन की टीमें लगातार नगर क्षेत्र में भ्रमण कर जर्जर मकानों और जलभराव वाले इलाकों की स्थिति देख रही हैं। जहां किसी पुराने या जर्जर भवन से आसपास के लोगों, दुकानदारों या राहगीरों को खतरा दिखाई दे रहा है, वहां सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

उन्होंने शहरवासियों से अपील की कि यदि उनके आसपास कोई जर्जर भवन, गिरने की स्थिति में पहुंचा छज्जा, दीवार या अन्य खतरनाक हिस्सा दिखाई दे तो इसकी सूचना तत्काल प्रशासन या नगर पालिका को दें। समय रहते सूचना मिलने पर संभावित हादसे को टाला जा सकता है।

विद्यालय में हुई चोरी का अभी तक नहीं हो सका खुलासा

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। प्राथमिक विद्यालय मगरायर में बीते दिनों हुई हजारों रुपये के सामान की चोरी के मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। बीती 14 सितंबर की सुबह जब विद्यालय खुला, तो अतिरिक्त कक्ष, किचन रूम और कक्षा 6 का ताला टूटा मिला। चोरों ने न केवल रसोई के बर्तन और गैस सिलेंडर पर हाथ साफ किया, बल्कि डिजिटल पढ़ाई के लिए आए महंगे उपकरण भी पार कर दिए।

घटना की सूचना तुरंत 112 नंबर पर दी गई, जिसके बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की।

चोरी में एक गैस सिलेंडर

तीन बड़े भगोने और चार बड़े ढक्कन एक परात और एक प्रेशर कुकर

एक इंटरैक्टिव फ्लैट पैनल

एक यूपीएस

क्षेत्रीय लोगों की मांगः

स्थानीय निवासियों और विद्यालय प्रशासन का कहना है कि पुलिस अक्सर चोरी की घटनाओं के खुलासे में बाहरी या दूर-दराज के चोरों को पकड़कर केस बंद कर देती है, जबकि असल में ऐसी घटनाओं में स्थानीय चोरों का हाथ होता है। जब तक क्षेत्रीय चोरों पर शिकंजा नहीं कसा जाएगा, तब तक ऐसी घटनाओं पर रोक लगना संभव नहीं है।

मिलावटखोरी से हर साल देश में करीब दो लाख लोग मौत की भेंट चढ़ जाते हैं, फिर भी हमारा कानूनी तंत्र इस पर प्रभावी रोक लगाने में नाकाम रहा है। वैसे तो हर साल त्योहारी सीजन के साथ ही मिलावटखोरी की चर्चा तेज हो जाती है, लेकिन इन दिनों इस चर्चा की वजह महाराष्ट्र के तेजतर्रार आईएएस अधिकारी तुकाराम मुंढे की कार्रवाई है। मुंढे ने जब से महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन यानी एफडीए के आयुक्त का पद संभाला है, मिलावटखोरों की शामत आ गई है। ऐसे में कहा जा सकता है कि आज देश में मुंढे जैसे अफसरों की खास जरूरत है। आज देश को नारे नहीं, शुद्ध पानी, साफ भोजन और भरोसेमंद दवा चाहिए। इसके लिए कानून पहले से हैं। कमी अमल की है। अगर प्रशासन में और अफसर स्वास्थ्य व स्वच्छता को फाइल नहीं, प्राथमिक कर्तव्य समझें, तो हीरो की जरूरत धीरे-धीरे कम होगी और सामान्य ईमानदारी आम बात बन जाएगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के 2026 के नवीनतम विश्व स्तर के आकलन ने खाद्य सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। स्ट्रीट फूड के लिए ऐसा नियमन जरूरी है, जिसमें स्वच्छता, खाद्य सुरक्षा, उपभोक्ता अधिकार और विक्रेताओं की आजीविका चारों के बीच संतुलन कायम किया जा सके। *मिलावटखोरी और इस पर रोक के मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

मिलावटखोरी रोकने की व्यवस्था में भ्रष्टाचार

विश्लेषण

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ स्तंभकार

विडंबना ही कहेंगे कि जिस मिलावटखोरी से हर साल देश में करीब दो लाख लोग मौत की भेंट चढ़ जाते हैं, फिर भी हमारा कानूनी तंत्र इस पर प्रभावी रोक लगाने में नाकाम रहा है। वैसे तो हर साल त्योहारी सीजन के साथ ही मिलावटखोरी की चर्चा तेज हो जाती है, लेकिन इन दिनों इस चर्चा की वजह महाराष्ट्र के तेजतर्रार आईएएस अधिकारी तुकाराम मुंढे की कार्रवाई है। मुंढे ने जब से महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन यानी एफडीए के आयुक्त का पद संभाला है, मिलावटखोरों की शामत आ गई है। उन्होंने खाद्य कानूनों और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अभियान छेड़ दिया है। महाराष्ट्र एफडीए की टीमों ने शुरुआती 100 दिनों में ही 904 से ज्यादा छापे मारकर 450 से अधिक मिलावटखोरों को गिरफ्तार किया और करोड़ों के मिलावटी खाद्य पदार्थ जब्त किए। इस कार्रवाई से महाराष्ट्र में डिटर्जेंट और रसायनों से बने नकली दूध और ताड़ के तेल से बनने वाले 'एनालॉग पनीर' का रैकेट ध्वस्त हो गया है।

नियमों और स्वच्छता मानकों की अनदेखी करने वाले कई नामी फूड चेन्स, बड़े रेस्तराओं आदि के लाइसेंस तक निलंबित या रद्द किए जा चुके हैं। महाराष्ट्र की घटनाएं इसलिए सामने आ रही हैं, क्योंकि वहां तेज-तर्रार अधिकारी खाद्य प्रशासन को मिला है। दूसरे इलाकों में ऐसी कार्रवाई नजर नहीं आती। इसका मतलब यह नहीं है कि भारत में मिलावटखोरी बंद हो गई है। शुद्ध खाना और दवा प्राप्त करना हर व्यक्ति का अधिकार है। ब्रिटेन और अमेरिका में ध्यान रखा जाता है कि उपभोक्ताओं तक वही सामान पहुंचे, जो शुद्ध है। ऐसी व्यवस्था भारत में भी की गई है। 2006 में संसद से पारित खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के तहत भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण का गठन किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत कार्यरत इस संस्था का दायित्व खाद्य पदार्थों के मानकों पर निगाह रखना और उन्हें तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करना है। राज्यों की पुलिस, प्रशासन और आपूर्ति अधिकारियों को भी अधिकार है कि वे मिलावटखोरी रोकें।

मुंढे ने जब से महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन यानी एफडीए के आयुक्त का पद संभाला है, मिलावटखोरों की शामत आ गई है। नियमों और स्वच्छता मानकों की अनदेखी करने वाले कई नामी फूड चेन्स, बड़े रेस्तराओं आदि के लाइसेंस तक निलंबित या रद्द किए जा चुके हैं। महाराष्ट्र की घटनाएं इसलिए सामने आ रही हैं, क्योंकि वहां तेज-तर्रार अधिकारी खाद्य प्रशासन को मिला है। दूसरे इलाकों में ऐसी कार्रवाई नजर नहीं आती। इसका मतलब यह नहीं है कि भारत में मिलावटखोरी बंद हो गई है। शुद्ध खाना और दवा प्राप्त करना हर व्यक्ति का अधिकार है। ब्रिटेन और अमेरिका में ध्यान रखा जाता है कि उपभोक्ताओं तक वही सामान पहुंचे, जो शुद्ध है।

प्रभावी नियंत्रण नहीं

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, साल 2020 से हर साल करीब एक लाख से अधिक खाद्य नमूनों की जांच की जा रही है। नियमों का उल्लंघन करने पर करीब आठ हजार से ज्यादा खाद्य व्यावसायिक लाइसेंस रद्द भी किए गए हैं। लेकिन देश में इस पर प्रभावी नियंत्रण नहीं लगाया जा सका है। रोक न लग पाने के पीछे मोटे तौर पर तीन कारण नजर आते हैं। पहला है, मुनाफाखोरी की बढ़ती प्रवृत्ति, दूसरा नैतिकता का क्षरण और तीसरा कारण निश्चित तौर पर प्रशासनिक विफलता और भ्रष्टाचार है। विनोबा भावे ने करीब आठ दशक पहले लिखे अपने निबंध 'नवयुवकों से दो बातें' में कहा है कि देश में सुराख ही सुराख हैं। उन्होंने राष्ट्ररूपी घड़े में बने इन सुराखों को सदाचार से भरने की अपील की है। कुछ उसी तरह व्यवस्था में अब भी सुराख हैं। हमारे तंत्र के बड़े हिस्से से सदाचार और कर्तव्यपरायणता गायब है। वह राष्ट्र निर्माण के भाव से दूर है। इस वजह से वक्त पर कार्रवाई नहीं होती। वक्त पर गड़बड़ियों की जानकारी होने के बावजूद मुनाफाखोर से मिलने वाली चंद रकम के एवज में वह चुप रह जाता है। भले ही नकली दूध पीने से नागरिक बीमार हो रहा हो या नकली शराब से निर्दोष जान जा रही हो। नैतिकता का क्षरण भी मिलावटखोरी के लिए जिम्मेदार है। नैतिकता की कमी मुनाफाखोर कारोबारी और उत्पादक के साथ तंत्र में भी पैठी हुई है।

जीरो टॉलरेंस की नीति बने

सत्ता संभालते वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तंत्र को चेताया था कि सब चलता है-वाली मानसिकता की अब गुंजाइश नहीं रही। शुरू में इससे त्रस्त लोगों में भय दिखा, लेकिन अब तंत्र का बड़ा हिस्सा उसी पुराने ढर्रे पर चलता दिखता है, इसलिए मुनाफाखोरों और मिलावटखोरों का डर कम हो चला है। स्वास्थ्य संविधान के समवर्ती सूची का विषय है, इसलिए इस मामले में केंद्र के साथ राज्य सरकारों को भी कार्रवाई का अधिकार है। ऐसे में तंत्र को प्रभावी और जवाबदेह बनाने के लिए केंद्र और राज्यों की सरकारों को जीरो टॉलरेंस की नीति अख्तियार करना जरूरी लगता है। तभी मुनाफाखोर, मिलावटखोर और लापरवाह प्रशासनिक तंत्र के पेंच कसे जा सकते हैं। पड़ोसी देश चीन का मिलावटखोरी रोकने वाला 'फूड सेफ्टी लॉ' दुनिया के सबसे कठोर कानूनों में से एक है। जिसके तहत जानबूझकर खाद्य पदार्थों में खतरनाक मिलावट करने वालों को मृत्युदंड देने का प्रावधान है। चीन में साल 2008 में दूध में मेलानाइन रसायन मिलाने के चर्चित मामले के दोषियों को मौत की सजा दी गई थी। स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले मिलावटखोरों को इस कानून के तहत आजीवन कारावास के साथ ही भारी आर्थिक जुर्माने का भी प्रावधान है।

कठोर कानून और नियमन की जरूरत

कानून के तहत ऐसे खाद्य पदार्थों, दवा या सौंदर्य प्रसाधन को 'मिलावटी' माना जाता है, जो तय मानकों को पूरा नहीं करते या जिसमें हानिकारक पदार्थ मिलाया गया हो। इस कानून के तहत गलत और भ्रामक लेबलिंग पर भी रोक का प्रावधान है। अमेरिका में एक और फूड सेफ्टी मॉडर्नाइजेशन एक्ट है, जिसका मकसद मिलावट और संक्रमण को निरोधात्मक कार्रवाई करना है। इन कानूनों के तहत अमेरिका में मिलावटी या दूषित खाद्य पदार्थ और दवाएं बेचना गंभीर अपराध है। इनका उल्लंघन करने वाली कंपनियों और व्यक्तियों पर भारी जुर्माने, जेल की सजा और उत्पादों को तुरंत नष्ट करने या जब्त करने की व्यवस्था है। अमेरिका की तरह ब्रिटेन में भी खाद्य पदार्थों में मिलावट और धोखाधड़ी रोकने के लिए सख्त कानूनी व्यवस्था है। यहां के फूड सेफ्टी एक्ट के तहत स्वास्थ्य के लिए हानिकारक भोजन बेचना या तैयार करना गंभीर अपराध है। खाद्य मानकों और मिलावट पर नजर रखने के लिए यहां फूड स्टैंडर्ड एजेंसी है। कुछ इसी अंदाज में हमारे यहां भी कठोर कानून और नियमन की जरूरत है। तभी मिलावटखोरी को रोका जा सकता है और भारतीय नागरिकों को सुरक्षित माहौल मुहैया कराया जा सकता है।

कई देशों में कड़े कानून

चीन में खाद्य नियमों का उल्लंघन करने, घटिया या मानकरहित उत्पाद बेचने और सबूत नष्ट करने वाली कंपनियों और कारोबारियों पर वहां भारी-भरकम जुर्माना लगाया जाता है। साथ ही व्यवसाय का लाइसेंस रद्द भी किया जाता है। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खाद्य सुरक्षा और मिलावटखोरी पर रोक के लिए कड़े कानून हैं। फूड स्टैंडर्ड्स ऑस्ट्रेलिया एंड न्यूजीलैंड की जवाबदेही है कि वह दोनों देशों के खाद्य मानक तैयार करे। खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने और मिलावटखोरी रोकने के लिए राज्यों के साथ ही स्थानीय निकायों की भी जवाबदेही है। दोनों देशों में खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने, असुरक्षित या मिलावटी भोजन बेचने वाली कंपनियों और निगमों पर भारी जुर्माने का प्रावधान है। यहां जानबूझकर सार्वजनिक नुकसान या डर फैलाने के इरादे से खाद्य पदार्थों में मिलावट को गंभीर अपराध माना जाता है। ऐसे मामलों में 25 साल तक की जेल हो सकती है। संयुक्त राज्य अमेरिका में भी मिलावटखोरी के खिलाफ सख्त और प्रभावी कानून है, जिसे लागू करने की जवाबदेही फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन की है। अमेरिका में मिलावटखोरी पर लगाम के लिए संघीय फूड ड्रग और कॉस्मेटिक एक्ट है, जो यहां का मुख्य और सबसे बड़ा कानून है।

स्ट्रीट फूड के लिए नए सिरे से नियमन की जरूरत

व्यवस्था

योगेश कुमार सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

देशभर में स्ट्रीट फूड का चलन तेजी से बढ़ रहा है। महानगरों से लेकर छोटे शहरों और कस्बों तक सड़क किनारे लगने वाले ठेले, रेहड़ी और छोटी दुकानों पर मिलने वाला भोजन आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। कम कीमत, आसानी से उपलब्धता और स्थानीय स्वाद इसकी लोकप्रियता का बड़ा कारण है। इसके साथ भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा का सवाल भी उतना ही महत्वपूर्ण है। स्ट्रीट फूड बेचने वाले लाखों छोटे कारोबारी अपनी आजीविका इसी व्यवसाय से चलाते हैं। इसलिए नियमन का उद्देश्य उन्हें परेशान करना या उनकी रोजी-रोटी छीनना नहीं होना चाहिए। जरूरत ऐसे व्यावहारिक नियमों की है, जिनसे कारोबार भी चलता रहे और लोगों को सुरक्षित एवं स्वच्छ भोजन भी मिल सके। सरकारों को स्ट्रीट फूड के लिए एक व्यापक और आधुनिक नियामक व्यवस्था पर विचार करना चाहिए। इसमें साफ पानी की उपलब्धता, खाद्य सामग्री के सुरक्षित भंडारण, खाना बनाने और परोसने की स्वच्छता, कचरा निस्तारण, हाथ धोने की व्यवस्था तथा इस्तेमाल होने वाले बर्तनों की सफाई जैसे मानकों को अनिवार्य किया जा सकता है। साथ ही खाद्य विक्रेताओं के लिए आसान पंजीकरण और नियमित प्रशिक्षण की व्यवस्था भी होनी चाहिए। किसी भी सरकारी व्यवस्था में भ्रष्टाचार के कारण खाद्य सुरक्षा से समझौता नहीं होना चाहिए। स्ट्रीट फूड में इस्तेमाल होने वाले तेल, मसाले, दूध, पनीर, मांस, पानी और अन्य खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की नियमित जांच बेहद जरूरी है। यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि खाद्य सामग्री किस स्रोत से खरीदी जा रही है, उसे किस तरह रखा जा रहा है और खाना तैयार करने वाले व्यक्ति स्वच्छता के निर्धारित मानकों का पालन कर रहे हैं या नहीं। कई बार खराब या दूषित खाद्य पदार्थ खाने से लोगों के बीमार पड़ने की खबरें सामने आती हैं। गंभीर मामलों में खाद्य विषाक्तता जानलेवा भी हो सकती है। ऐसे मामलों में केवल दुकान संचालक को दोषी ठहराने के बजाय यह भी पता लगाया जाना चाहिए कि संबंधित इलाके में निगरानी और निरीक्षण की जिम्मेदारी किस विभाग की थी और क्या नियमित जांच वास्तव में की गई थी। स्ट्रीट फूड कारोबार को बंद करना इसका समाधान नहीं है। जरूरत इस बात की है कि इसके लिए स्पष्ट और व्यावहारिक नियमावली बनाई जाए। प्रत्येक दुकान या ठेले का पंजीकरण हो, खाद्य सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण दिया जाए, स्वच्छता के मानक तय हों और समय-समय पर खाद्य सामग्री के नमूने लेकर प्रयोगशाला में जांच कराई जाए। इसके साथ ही स्थानीय निकाय, खाद्य सुरक्षा विभाग और पुलिस की जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से निर्धारित की जानी चाहिए। पुलिस का काम कानून-व्यवस्था बनाए रखना है, जबकि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की वैज्ञानिक जांच के लिए सक्षम खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की व्यवस्था होनी चाहिए। जहां अवैध वसूली या भ्रष्टाचार की शिकायत हो, वहां स्वतंत्र जांच और कार्रवाई की व्यवस्था भी होनी चाहिए। स्ट्रीट फूड लाखों लोगों की रोजमर्रा की जरूरत और रोजगार का माध्यम है, इसलिए इसे व्यवस्थित, सुरक्षित और जवाबदेह बनाना सरकार और संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है। सवाल केवल यह नहीं है कि सड़क किनारे खाना कौन बेच रहा है। असली सवाल यह है कि जो खाना लाखों लोग खा रहे हैं, उसकी गुणवत्ता की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? आज सबसे बड़ी समस्या यह है कि अलग-अलग शहरों में स्ट्रीट फूड कारोबार के लिए नियम, निगरानी और उनके पालन की व्यवस्था एक जैसी नहीं है। स्थानीय निकायों, खाद्य सुरक्षा विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत है। छोटे विक्रेताओं को केवल दंडित करने के बजाय पहले उन्हें प्रशिक्षण, बुनियादी सुविधाएं और स्पष्ट दिशानिर्देश उपलब्ध कराए जाने चाहिए। स्ट्रीट फूड को शहरों की अर्थव्यवस्था और संस्कृति का हिस्सा मानते हुए इसके लिए निर्धारित वेंडिंग जोन विकसित किए जा सकते हैं। इन स्थानों पर स्वच्छ पानी, कूड़ेदान, जल निकासी और साफ-सफाई जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इससे विक्रेताओं और ग्राहकों दोनों को लाभ होगा तथा सड़कों पर अव्यवस्था भी कम हो सकती है। सरकारों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि खाद्य सुरक्षा के नाम पर बनाए गए नियम इतने जटिल न हों कि छोटे दुकानदार उनके पालन में ही असमर्थ हो जाएं। डिजिटल पंजीकरण सरल लाइसेंस प्रक्रिया और कम लागत वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम इस दिशा में मददगार हो सकते हैं। स्ट्रीट फूड पर पूरी तरह रोक लगाना समाधान नहीं है। इसके बजाय इसे व्यवस्थित, सुरक्षित और स्वच्छ बनाना ज्यादा व्यावहारिक रास्ता है। बदलते समय के साथ स्ट्रीट फूड संस्कृति भी बदल रही है, इसलिए इसके नियमन के लिए पुराने और बिखरे हुए प्रावधानों के बजाय एक स्पष्ट, व्यावहारिक और जवाबदेह व्यवस्था पर नए सिरे से विचार करने की जरूरत है। आखिरकार सवाल सिर्फ सड़क किनारे बिकने वाले भोजन का नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य और लाखों छोटे कारोबारियों की आजीविका का है। इसलिए स्ट्रीट फूड के लिए ऐसा नियमन जरूरी है जिसमें स्वच्छता, खाद्य सुरक्षा, उपभोक्ता अधिकार और विक्रेताओं की आजीविका चारों के बीच संतुलन कायम किया जा सके।

स्ट्रीट फूड पर पूरी तरह रोक लगाना समाधान नहीं है। बदलते समय के साथ स्ट्रीट फूड संस्कृति भी बदल रही है, इसलिए इसके नियमन के लिए पुराने और बिखरे हुए प्रावधानों के बजाय एक स्पष्ट, व्यावहारिक और जवाबदेह व्यवस्था पर नए सिरे से विचार करने की जरूरत है।

नकल की नहीं, संस्कृति की जरूरत

मंथन

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

महाराष्ट्र में जब कोई अफसर नियम तोड़ने वालों पर सख्ती करता है, तो लोग उसे अक्सर 'हीरो' कहने लगते हैं। तुकाराम हरिभाऊ मुंडे ऐसे ही अफसर हैं। बीड जिले के ताडसोना गांव के किसान परिवार में जन्मे मुंडे ने बिना कोचिंग के 2004 की सिविल सेवा परीक्षा में अखिल भारतीय रैंक 20 हासिल की और 2005 बैच के महाराष्ट्र कैडर के आईएएस बने। करीब इक्कीस साल की सेवा में उनके पच्चीस के आसपास तबादले हुए। फिर भी वे बार-बार चर्चा में इसलिए आते हैं क्योंकि उन्होंने पानी, शहर प्रशासन, स्वास्थ्य और अब खाद्य सुरक्षा जैसे विषयों को कागजी फाइल से निकालकर मैदान में उतारा। सवाल यही है कि क्या देश को ऐसे प्रोएक्टिव अफसरों की और जरूरत है, जो स्वास्थ्य की शुद्धता और स्वच्छता को प्राथमिकता दें? मुंडे की पहचान सिर्फ तबादलों से नहीं बनती। सूखाग्रस्त मराठवाड़ा में पले-बढ़े होने के कारण पानी उनके काम का केंद्र रहा।

सोलापुर में जिलाधिकारी रहते हुए उन्होंने जलयुक्त शिवार योजना के तहत तेजी से जल संरक्षण कराया, टैंकर माफिया पर लगाम लगाई और सैकड़ों गांवों को टैंकर-मुक्त बनाने की कोशिश की। इसी काम के लिए उन्हें 'महाराष्ट्र का वाटरमैन' कहा गया। इस साल मई में फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के आयुक्त बनने के बाद मुंडे की छवि और तेज हुई। विभाग ने राज्यभर में हजारों निरीक्षण किए। मिलावटी दूध, नकली या एनालॉग पनीर, गंदे रसोईघर, बिना लाइसेंस के कारोबार और असुरक्षित तेल-दवाओं पर छापे पड़े। कई होटलों के लाइसेंस निलंबित हुए, स्टॉक जब्त हुआ और सुधार नोटिस जारी किए गए। मुंडे का रुख साफ रहा कि जनस्वास्थ्य के मामले में हैसियत, नाम या पहुंच से समझौता नहीं होगा। बीबीसी और अन्य समाचार माध्यमों ने उन्हें सोशल मीडिया स्टार भी कहा, क्योंकि रसोईघरों की तस्वीरें और कार्रवाई की खबरें तेजी से फैलीं। साथ ही बंबई हाईकोर्ट ने एक मौके पर चेतावनी दी कि मच्छर मारने के लिए तलवार न चलाई जाए। यानी सख्ती जरूरी है, पर अनुपात और प्रक्रिया भी। यहीं से मूल प्रश्न उठता है। भारत में खाद्य मिलावट, नकली दवा, गंदे जल और कमजोर अस्पताल निरीक्षण नई समस्याएं नहीं हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया, एफएसएसएआई) और राज्य के अन्न एवं औषधि प्रशासन के नियम हैं, स्वच्छ भारत और जल जीवन मिशन चलते हैं, फिर भी जमीनी अमल अक्सर ढीला रहता है। जब तक अफसर काम को सजा नहीं, सुरक्षा मिले। स्वास्थ्य की शुद्धता केवल रेस्तरां छापे नहीं है। यह दूध में यूरिया, मसालों में रंग, दवा में कम मात्रा और सरकारी अस्पताल की गंदगी भी है। स्वच्छता केवल सड़क की सफाई नहीं, रसोई, गोदाम, प्रयोगशाला और दवा फैक्ट्री की सफाई है। क्या पूरे देश को ऐसे अफसर चाहिए? हां, लेकिन नकल की नहीं, संस्कृति की जरूरत है। हर राज्य में अन्न एवं औषधि प्रशासन, नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग में कुछ अधिकारी होने चाहिए जिन्हें पता हो कि उनकी सफलता फाइलों की मोटाई से नहीं, मिलावट और गंदगी में आई कमी से नापी जाएगी। साथ ही मीडिया और नागरिकों को भी समझना होगा कि एक अफसर के जाते ही अभियान न थम जाए। संस्था मजबूत हो तो मुंडे के बाद भी निरीक्षण चलते रहेंगे। देश को नारे नहीं, शुद्ध पानी, साफ भोजन और भरोसेमंद दवा चाहिए। इसके लिए कानून पहले से हैं। कमी अमल की है। अगर प्रशासन में और अफसर स्वास्थ्य व स्वच्छता को फाइल नहीं, प्राथमिक कर्तव्य समझें, तो हीरो की जरूरत धीरे-धीरे कम होगी और सामान्य ईमानदारी आम बात बन जाएगी। वही असली सफलता होगी।

देश को आज तुकाराम हरिभाऊ मुंडे जैसे अफसरों की जरूरत है। हर राज्य में अन्न एवं औषधि प्रशासन, नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग में कुछ अधिकारी होने चाहिए, जिन्हें पता हो कि उनकी सफलता फाइलों की मोटाई से नहीं, मिलावट और गंदगी में आई कमी से नापी जाएगी।

थाली में पहुंचता जहर, बिगाड़ रहा सेहत!

सावधानी

सुशील देव

स्वतंत्र पत्रकार

हमारी थाली केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की पहली सीढ़ी है। दूध, दही, घी, तेल, मसाले, अनाज, फल-सब्जियां और मिठाइयां शरीर को पोषण देने के लिए हैं। लेकिन जब इन्हीं खाद्य पदार्थों में मिलावट, रासायनिक मिश्रण या हानिकारक तत्व पहुंच जाते हैं तो भोजन पोषण के बजाय स्वास्थ्य का शोषण करने लगता है। समस्या इसलिए भी गंभीर है क्योंकि दूषित भोजन का असर कई बार तत्काल दिखाई देता है, जबकि कुछ रासायनिक पदार्थों का नुकसान हमें धीरे-धीरे पता चलता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के 2026 के नवीनतम विश्व स्तर के आकलन ने खाद्य सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। वर्ष 2021 के आंकड़ों के आधार पर अनुमान है कि दुनिया में हर साल करीब 86.6 करोड़ लोग दूषित भोजन खाने के बाद बीमार पड़ते हैं और 15.2 लाख लोगों की मौत हो जाती है। पांच साल से कम उम्र के बच्चे दुनिया की आबादी का लगभग 9 प्रतिशत हैं, लेकिन असुरक्षित भोजन से होने वाली बीमारियों के स्वास्थ्य बोझ में उनका हिस्सा करीब 29 प्रतिशत है। वर्ष 2021 में ऐसे कारणों से करीब 1.43 लाख बच्चों की मौत का अनुमान है।

डब्लूएचओ के मुताबिक असुरक्षित भोजन 200 से अधिक बीमारियों का कारण बन सकता है। इसमें दस्त, उल्टी और फूड प्वाइजनिंग से लेकर कुछ गंभीर संक्रमण और कैंसर तक शामिल हैं। दूषित भोजन में मौजूद बैक्टीरिया, वायरस, परजीवी और रासायनिक पदार्थ इसके प्रमुख कारण हैं। इसलिए खाद्य सुरक्षा को केवल मिलावट की समस्या मानना पर्याप्त नहीं है। भोजन के उत्पादन, प्रसंस्करण, भंडारण, परिवहन और बिक्री के हर चरण में इसकी सुरक्षा जरूरी है। डब्लूएचओ के नए आकलन का एक और चिंताजनक पहलू रासायनिक प्रदूषण के खतरों से जुड़ा है। 2021 में दूषित भोजन से हुई मौतों में करीब 73 प्रतिशत हिस्सेदारी रासायनिक खतरों की थी। इनमें अकार्बनिक आर्सेनिक और सीसा प्रमुख थे। लंबे समय तक ऐसे तत्वों के संपर्क में रहने से हृदय रोग और कैंसर का जोखिम बढ़ सकता है। यहां यह समझना जरूरी है कि खाद्य में मिलावट या गड़बड़ी एक ही बात नहीं हैं। किसी खाद्य पदार्थ में जानबूझकर घटिया या अनधिकृत सामग्री की मिलावट हो सकती है, जबकि बैक्टीरिया, वायरस, भारी धातु, विषैले रसायन या खराब भंडारण के कारण भी भोजन दूषित हो सकता है। दोनों ही स्थितियां हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हैं। भारत में इस चुनौती से निपटने के लिए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआई लगातार खाद्य पदार्थों की जांच करता है। वित्त वर्ष 2023-24 में देशभर में 4,39,108 प्रवर्तन नमूने लिए गए। हाल ही में एफएसएसएआई ने दूध से प्राप्त सामग्री के बजाय अन्य घटकों से बनाए गए पनीर पर बिक्री संबंधी प्रतिबंध का संसद में ड्राफ्ट संशोधन जारी किया है। मकसद, ऐसे उत्पादों को पनीर के नाम से बेचे जाने पर रोक लगाना है। फिलहाल यह ड्राफ्ट है, इसलिए इसे अंतिम नियम मानना जल्दबाजी होगी। पहले भी एफएसएसएआई ने स्पष्ट किया है कि चीज एनालॉग को पनीर के रूप में बेचना खाद्य कानूनों का उल्लंघन है। असली समस्या उत्पाद की संरचना, गुणवत्ता, लेबलिंग और उसे किस नाम से उपभोक्ता को बेचा जा रहा है, इससे जुड़ी है। आज की खाद्य समस्या केवल मिलावट तक सीमित नहीं है। अत्यधिक चीनी, नमक, अस्वास्थ्यकर वसा और अत्यधिक प्रोसेस्ड भोजन भी स्वास्थ्य के लिए जोखिम बढ़ाते हैं। सरकार को भी केवल त्योहारों के दौरान छापेमारी तक सीमित रहने के बजाय नियमित और वैज्ञानिक जांच व्यवस्था मजबूत करनी होगी। जांच प्रयोगशालाओं की क्षमता बढ़ानी होगी, नमूनों की रिपोर्टिंग में तेजी लानी होगी और दोषी कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करनी होगी। साथ ही उपभोक्ताओं की शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई जरूरी है। खेत से बाजार और हमारी थाली तक खानपान की हर चीजों की गुणवत्ता पर जिम्मेदारी तय करनी होगी। मिलावटखोरों पर कार्रवाई, वैज्ञानिक जांच, पारदर्शी लेबलिंग और जागरूक उपभोक्ता-इन चारों के मेल से ही खाद्य सुरक्षा मजबूत हो सकती है और हमारा जीवन और स्वास्थ्य बच सकता है।

खेत से बाजार और हमारी थाली तक खानपान की हर चीजों की गुणवत्ता पर जिम्मेदारी तय करनी होगी। मिलावटखोरों पर कार्रवाई, वैज्ञानिक जांच, पारदर्शी लेबलिंग और जागरूक उपभोक्ता-इन चारों के मेल से ही खाद्य सुरक्षा मजबूत हो सकती है और हमारा जीवन और स्वास्थ्य बच सकता है।

संक्षेप

भारी बारिश से कच्चा मकान गिरा

खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर परिवार, प्रशासन से मांगी मदद

अमेठी , सिंहपुर विकासखंड में लगातार बारिश के कारण एक गरीब परिवार का कच्चा मकान गिर गया। इस घटना के बाद परिवार के सामने रहने की समस्या खड़ी हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार, चांदगढ़ मजरे यूसुफ नगर निवासी रामकरन पुत्र राम किसुन का घर पूरी तरह ढह गया। यह गांव करनगांव पोस्ट, सिंहपुर विकासखंड और तिलोई तहसील के अंतर्गत आता है। परिवार के सदस्यों ने बताया कि लगातार बारिश से कमजोर हो चुका मकान अचानक गिर गया। गनीमत रही कि हादसे के समय परिवार के सभी सदस्य समय रहते बाहर निकल गए, जिससे कोई घायल नहीं हुआ। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से मकान गिरने का सर्वे कराकर आर्थिक मदद और आवास की व्यवस्था करने की मांग की है। वे अब खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं।

छात्रवृत्ति परीक्षा में शत-प्रतिशत सफलता

अमेठी जीजीआईसी की सात में सात छात्राओं का एकीकृत छात्रवृत्ति परीक्षा में चयन

अमेठी,एकीकृत छात्रवृत्ति परीक्षा-2026 में पीएमश्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज (जीजीआईसी), अमेठी की सभी सात छात्राओं का चयन हुआ है। सात में सात छात्राओं के चयन से विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। परीक्षा में माही, आंशिका, राजश्री, प्रियांजलि गुप्ता, कीर्ति, जोया और राधा शामिल हुई थीं। सभी ने सफलता हासिल कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। प्रधानाचार्य डॉ. फूलकली ने चयनित छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि सातों छात्राओं का चयन विद्यालय के लिए गर्व का विषय है। यह उपलब्धि छात्राओं की मेहनत, नियमित अध्ययन और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। विद्यालय में पाठ्यक्रम की पढ़ाई के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए भी छात्राओं को प्रोत्साहित किया जाता है। शिक्षकों ने विषयवार तैयारी, नियमित अभ्यास और समय प्रबंधन में मार्गदर्शन दिया। शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने छात्राओं को शुभकामनाएं दीं।

पुलिस ने पति-पत्नी का विवाद सुलझाया

मनमुटाव दूर कर खुशी-खुशी घर लौटे, पुलिस का धन्यवाद किया

अमेठी ,पुलिस कानून-व्यवस्था के साथ-साथ परिवारों के विवाद सुलझाने का भी काम कर रही है। इसी कड़ी में महिला थाना अमेठी की टीम ने रविवार को एक पति-पत्नी के बीच चल रहे विवाद को सुलझाया। पुलिस के समझाने पर दोनों ने अपने मतभेद दूर कर फिर से साथ रहने पर सहमति जताई। महिला थाना अध्यक्ष दीपशिखा सिंह के नेतृत्व में टीम ने पति-पत्नी की शिकायतें सुनीं। दोनों पक्षों से अलग-अलग बात कर विवाद के कारणों को समझा गया। पुलिस टीम ने उन्हें आपसी समझ और बातचीत से समस्या सुलझाने की सलाह दी। पुलिस के प्रयासों के बाद पति-पत्नी अपने मतभेद भुलाकर खुशी-खुशी साथ रहने को राजी हो गए।

बारिश के बीच खेतों में उतरीं एसडीएम मोनालिसा जौहरी, फसल क्षति का लिया जायजा

संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी के साथ किसानों के बीच पहुंचीं एसडीएम, एक-एक खेत की देखी स्थिति

अमन लेखनी समाचार

संतोष मिश्रा

बहराइच। लगातार हो रही भारी बारिश और तेज हवाओं के बीच तहसील प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा। संभावित आपदा और जलभराव की स्थिति में जनहानि रोकने के लिए उपजिलाधिकारी मिहींपुरवा (मोतीपुर) मोनालिसा जौहरी ने क्षेत्र में लगातार निगरानी बनाए रखी। भारी बारिश और तूफान के बीच उन्होंने स्वयं संवेदनशील क्षेत्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधीनस्थ अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। रविवार को एसडीएम मोनालिसा जौहरी किसानों की फसल क्षति का स्थलीय आकलन करने स्वयं खेतों में पहुंचीं। उन्होंने तहसील मिहींपुरवा के ग्राम गायघाट, रायबोझा, पुरैना भवानी भक्श, सरामुंद्री और कुड़वा में भारी बारिश से हुए फसल नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में खेत-खेत जाकर फसलों की स्थिति देखी और स्वयं मौके पर नुकसान का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ग्रामवासियों, ग्राम प्रधानों एवं पंचायत सहायकों से वार्ता कर बारिश से हुए नुकसान की जानकारी ली। साथ मौजूद तहसीलदार और क्षेत्रीय लेखपालों को निर्देशित किया कि प्रत्येक प्रभावित खेत का वास्तविक स्थिति के आधार पर निरीक्षण करते हुए फसल क्षति की निष्पक्ष एवं पारदर्शी आकलन किया एसडीएम ने अधिकारियों से कहा कि फसल क्षति के आकलन में किसी प्रकार की लापरवाही न हो और प्रभावित किसानों की वास्तविक क्षति रिपोर्ट में दर्ज की जाए। स्थलीय निरीक्षण के उपरांत राजस्व टीम द्वारा तैयार की गई आकलन रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को प्रेषित की जाएगी। लगातार बारिश के दौरान एसडीएम की सक्रियता केवल फसल क्षति के आकलन तक सीमित नहीं रही। संभावित जलभराव, तेज बारिश और अन्य आपदा संबंधी परिस्थितियों को देखते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को लगातार सतर्क रहने तथा संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी विषम परिस्थिति में तत्काल राहत एवं बचाव की कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। मौके पर खेतों में एसडीएम को किसानों के बीच पहुंचकर स्वयं फसल की स्थिति देखते हुए पाया गया। प्रशासनिक अधिकारी के स्तर से खेतों तक पहुंचकर नुकसान का प्रत्यक्ष आकलन किए जाने से किसानों में भी संतोष नजर आया। स्थानीय स्तर पर एसडीएम की इस सक्रिय कार्यशैली और मौके पर पहुंचकर समस्याओं को समझने के प्रयास की सराहना की जा रही है। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, क्षेत्रीय लेखपाल सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

भारी बारिश को लेकर कैसरगंज तहसील में कंट्रोल रूम स्थापित

आपदा की स्थिति में तत्काल करें सूचना, पांच अधिकारियों-कर्मचारियों के मोबाइल नंबर जारी

अमन लेखनी समाचार

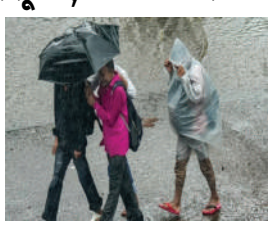

कैसरगंज, बहराइच। क्षेत्र में लगातार हो रही अतिवृष्टि और भारी बारिश को देखते हुए तहसील प्रशासन कैसरगंज ने आमजन की सहायता एवं संभावित आपदाओं से निपटने के लिए आपदा नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) की स्थापना की है। तहसील प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि बारिश के दौरान किसी भी प्रकार की आपात स्थिति होने पर तत्काल कंट्रोल रूम के निर्धारित मोबाइल नंबरों पर सूचना दें। तहसील प्रशासन की ओर से जारी सूचना के अनुसार क्षेत्र में अतिवृष्टि के कारण पानी भरने, पेड़ गिरने, पशुहानि, मकान क्षति, विद्युत पोल अथवा तार गिरने तथा अन्य किसी भी प्रकार की आपदा की सूचना कंट्रोल रूम के माध्यम से दी जा सकती है।

इन नंबरों पर दें सूचना

कमलेश कुमार, नियंत्रण कक्ष कर्मचारीः 7398022600

संतराम वर्मा, नियंत्रण कक्ष कर्मचारीः 9559561024

हेमेन्द्र प्रताप सिंह, नियंत्रण कक्ष कर्मचारीः 9984409099

शुभम कंचन, नियंत्रण कक्ष कर्मचारीः 9235579505

दुर्गेश कुमार यादव, नियंत्रण कक्ष अधिकारीः 9454416040

सूचना देते समय इन बातों का रखें ध्यान

प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि आपात स्थिति में ऊपर दिए गए किसी भी मोबाइल नंबर पर तत्काल संपर्क करें। सूचना दर्ज कराते समय अपना पूरा नाम, ग्राम का नाम और घटना का स्पष्ट विवरण जरूर बताएं, ताकि संबंधित टीम को मौके पर भेजकर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा सके। प्रशासन ने लोगों को विशेष रूप से चेताया है कि टूटे हुए बिजली के तारों और बिजली के खंभों के पास न जाएं तथा उनसे सुरक्षित दूरी बनाए रखें। भारी बारिश के दौरान अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से भी बचने की अपील की गई है। तहसील प्रशासन कैसरगंज ने कहा है कि अतिवृष्टि के दौरान आमजन की सुरक्षा और त्वरित सहायता के लिए कंट्रोल रूम सक्रिय रहेगा।

प्रधान की देखरेख में नालो की सफाई, जलभराव की समस्या दूर

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। विकास क्षेत्र नवाबगंज के ग्राम पंचायत कलवारी के मजरा कुतुबपुरदीनपुर, श्रीपाल पुरवा में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि दिलीप सिंह की देखरेख में नालों की सफाई कराई गई। रविवार कों जेसीबी मशीन की मदद से नालों में जमा गंदगी को हटाया गया। जहां बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीणो के घरों तक पानी भरा होने से सैंकड़ो लोग जलभराव की समस्या से त्रस्त थे। नालों में गंदगी के कारण रास्ते में अक्सर जलभराव हो जाता था, जिससे ग्रामीणों और स्थानीय निवासियों के घरों और बारिश का पानी निकलने में भारी परेशानी होती थी।सफाई अभियान के बाद अब रास्ते में जलभराव की स्थिति नहीं बनेगी, जिससे लोगों को आवागमन में राहत मिलेगी। स्थानीय लोगों ने इस कार्य की सराहना की है।

चक्रवाती तूफान से केले की फसल को भारी नुकसान, डीएम-एसपी ने लिया जायजा

जरवल कस्बा के हरचंदा मोड़ पर हजारों बीघे में प्रभावित केले की खेती का किया निरीक्षण, नुकसान का आकलन कर मुआवजा दिलाने के निर्देश

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, जरवल, बहराइच। चक्रवाती तूफान और तेज हवाओं के कारण किसानों की फसलों को हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए रविवार को जिलाधिकारी बहराइच राजेश कुमार पांडेय एवं पुलिस अधीक्षक बहराइच बी.जी. श्रीवास्तव ने जरवल कस्बा क्षेत्र के हरचंदा मोड़ पहुंचकर प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने क्षेत्र में कई हजार बीघे में लगी केले की फसल का मौके पर पहुंचकर जायजा लिया। तेज हवाओं और खराब मौसम के कारण बड़ी संख्या में केले के पेड़ गिरने से किसानों को भारी नुकसान हुआ है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने किसानों से भी फसल क्षति के संबंध में जानकारी ली। जिलाधिकारी ने मौके पर मौजूद उप जिलाधिकारी कैसरगंज को निर्देशित किया कि तहसील कैसरगंज क्षेत्र एवं आसपास के इलाकों में चक्रवाती तूफान और अतिवृष्टि से फसलों को हुए नुकसान का तत्काल सर्वे कराकर आकलन रिपोर्ट तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि क्षति का सही आकलन कर रिपोर्ट शासन को समय से भेजी जाए, ताकि पात्र किसानों को नियमानुसार उचित मुआवजा समय से उपलब्ध कराया जा सके। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि फसल क्षति के सर्वे में किसी भी प्रभावित किसान का नाम छूटने न पाए और मौके पर जाकर वास्तविक स्थिति का आकलन किया जाए। इस दौरान सीडीओ बहराइच एवं उप जिलाधिकारी कैसरगंज समेत संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन की टीम ने किसानों को आश्वस्त किया कि फसल नुकसान का सर्वे कराकर नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जाएगी।

कैसरगंज एसडीएम ने चक्रवाती तूफान से फसल नुकसान का लिया जायजा

कैसरगंज-जरवल क्षेत्र में खेतों का भ्रमण, नुकसान का तत्काल सर्वे कर रिपोर्ट भेजने के निर्देश

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। चक्रवाती तूफान और तेज हवाओं से हुए फसल नुकसान का जायजा लेने उप जिलाधिकारी कैसरगंज प्रशांत कुमार नायक और ने रविवार को कैसरगंज, जरवल कस्बा, मदारपुर व हरचंदा रोड क्षेत्र का भ्रमण किया। अधिकारियों ने बड़े और छोटे किसानों के खेतों में पहुंचकर केले समेत अन्य फसलों को हुए नुकसान का स्थलीय निरीक्षण किया। एस डी एम ने मौके पर मौजूद राजस्व निरीक्षक, लेखपाल, कानूनगो समेत संबंधित कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए कि प्रभावित किसानों का तत्काल सर्वे कर नुकसान का पूरा ब्योरा तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि सर्वे रिपोर्ट शीघ्र प्रेषित की जाए, ताकि शासन के नियमानुसार पात्र किसानों को समय से मुआवजा उपलब्ध कराया जा सके। उप जिलाधिकारी ने सर्वे कार्य में पारदर्शिता बरतने और वास्तविक रूप से प्रभावित किसानों का विवरण

दर्ज करने के निर्देश दिए। अधिकारियों को क्षेत्र में लगातार भ्रमण कर फसल क्षति की जानकारी जुटाने के लिए भी कहा गया।

रामपुर धोबिया में तीन लोगों के गिरे मकान, अहाते, परिजनों की बढी चिंतायें

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। जनपद में तीन दिनों से लगातार भारी बारिश व तेज गति से चल रही हवाओं ने जहां किसानों की चिंताएं बढ़ा दी है तो वहीं लोगों के आवासीय मकान, अहाते गिरने से परिजनों की चिंताएं बढ़ गई हैं। तेज चल रही हवाओं तथा हो रही बारिश में किसानों के धान गन्ने व मक्के की फसल जमीन पर लेट कर नष्ट हो रही है, तो वहीं रामपुर धोबिया हार के मजरा सम्मनपुरवा निवासी सावितराम पुत्र अवधराम ने बताया कि तेज हवाओं के चलते उनके घर के पास लगा नीम का पेड़ उनके छप्पर पर गिर गया जिससे उनका मकान ढह गया है, बच्चों परिजनों को रहने खाने की तकलीफ हो गई है। इसके अलावा रामपुर धोबिया गांव निवासी त्रिभुवन व रामनिवास पुत्रगण बुद्धिलाल का टीन सेड का मकान ढह गया जिससे काफी नुकसान हुआ है। वहीं रामपुर गांव निवासी वीरेंद्र पाठक पुत्र श्रीकांत द्वारा बताया गया कि उनके टीन सेड का मकान जर्जर व आहाता धराशाई हुआ है। उक्त के संबंध में संबंधित लेखपाल अमरेंद्र कुमार ने बताया कि तेज हवाओं व भारी बारिश के चलते रामपुर धोबिया मे पेड़ गिरने व तेज हवाओं के कारण घर व अहाता गिरने की सूचना प्राप्त हुई है, जांच कर रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को सौंपी जाएगी।

दुकानदार कर रहे घटतौली, नागरिकों ने की उच्च अधिकारियों से कार्यवाही की मांग

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। कस्बे में फल, किराना सहित विभिन्न प्रकार की दुकानों पर सामान की तौल को लेकर उपभोक्ताओं में असंतोष देखने को मिल रहा है। नागरिकों का आरोप है कि कुछ दुकानदारों द्वारा तराजू और बांट के माध्यम से घटतौली कर उपभोक्ताओं को निर्धारित मात्रा से कम सामान दिया जा रहा है। विशेष रूप से सेब, संतरा सहित अन्य फलों की बिक्री के दौरान कम तौल किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बाजार में कई फल विक्रेताओं द्वारा ग्राहकों के सामने फल तौले तो जाते हैं, लेकिन तौल की मात्रा को लेकर उपभोक्ताओं को संदेह रहता है। इसी प्रकार किराना दुकानों तथा अन्य प्रतिष्ठानों पर भी दाल, चीनी, चावल, आटा, मसाले और अन्य सामान की तौल में अनियमितता किए जाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। नागरिकों के मुताबिक कई दुकानों पर इस्तेमाल किए जा रहे तराजू और बांटों पर संबंधित विभाग द्वारा सत्यापन किए जाने की स्पष्ट मोहर अथवा निर्धारित चिह्न दिखाई नहीं देता। लोगों का कहना है कि यदि तौल उपकरणों का नियमित सत्यापन और निरीक्षण होता रहे तो घटतौली की शिकायतों पर काफी हद तक अंकुश लगाया जा सकता है। ग्राहकों का कहना है कि रोजमर्रा की खरीदारी में कुछ ग्राम या कुछ सौ ग्राम की कमी छोटी दिखाई दे सकती है, लेकिन बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं के साथ ऐसा होने पर दुकानदारों को अनुचित लाभ और ग्राहकों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। स्थानीय नागरिकों ने संबंधित विभाग के अधिकारियों से बांगरमऊ बाजार में विशेष जांच अभियान चलाए जाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि फल मंडी, किराना बाजार तथा अन्य दुकानों पर इस्तेमाल होने वाले तराजू और बांटों की जांच की जाए तथा जिन उपकरणों में अनियमितता पाई जाए, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए। नागरिकों ने यह भी मांग की है कि दुकानदारों को निर्धारित मानकों के अनुसार ही तौल उपकरणों का प्रयोग करने के लिए बाध्य किया जाए और उपभोक्ताओं को सही मात्रा में सामान उपलब्ध कराया जाए। लोगों का कहना है कि बाजार में निष्पक्ष तौल व्यवस्था बनाए रखना संबंधित विभाग की जिम्मेदारी है, इसलिए समय-समय पर औचक निरीक्षण किया जाना आवश्यक है। बाजार में खरीदारी करने वाले उपभोक्ताओं का कहना है कि अब लोग तौल को लेकर पहले की अपेक्षा अधिक जागरूक हो रहे हैं। उनका कहना है कि सामान खरीदते समय तौल पर ध्यान देने के साथ ही दुकानदार से सही वजन करने और तौल उपकरण को स्पष्ट रूप से देखने का अधिकार उपभोक्ताओं को मिलना चाहिए। नागरिकों ने उच्च अधिकारियों से पूरे मामले का संज्ञान लेकर बांगरमऊ क्षेत्र के बाजारों में व्यापक स्तर पर जांच अभियान चलाने, तौल उपकरणों का सत्यापन कराने तथा शिकायत सही पाए जाने पर संबंधित दुकानदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई किए जाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि इससे उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा होगी और बाजार में सही तौल एवं पारदर्शी व्यापार व्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

तेज हवाओं व बारिश से विभिन्न मुख्य मार्गों पर गिरे पेड़, कई गांव की बिजली गुल

आवागमन बहाल करने में जुटा खैरीघाट पुलिस प्रशासन

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। जनपद बहराइच के खैरीघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत शिवपुर इमामगंज तटबंध हाइवे सहित बेहड़ा, रायपुर पिपरिया, करीमबक्श आदि गांव के संपर्क मार्ग पर तेज आंधी व मूसलाधार बारिश मे मुख्य मार्गों के किनारे लगे पेड़ गिरने से आवागमन प्रभावित हो गया। शासन प्रशासन द्वारा दिए गए दिशा निदेर्शों के क्रम में खैरीघाट प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस प्रशासन एवं स्थानीय लोगों के सहयोग से सभी मुख्य मार्गों पर गिरे पेड़ों को हटवा कर आवागमन बहाल किया गया। वहीं अभी भी आंधी तूफान के साथ बारिश हो रही है जिससे कई गांव की बिजली गुल होने के साथ पेड़ों का टूटना जारी है।

लापता वृद्ध महिला का शव मिलने से परिजनों में मचा कोहराम

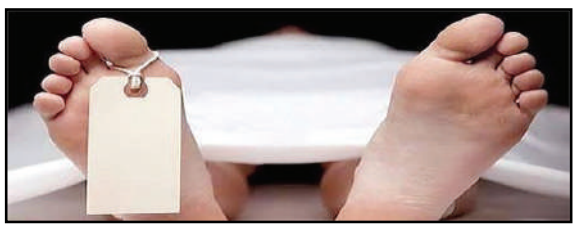

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। क्षेत्र के ग्राम सुरसेनी निवासी एक वृद्ध महिला के लापता होने के दो दिन बाद शनिवार को गंगा कटरी क्षेत्र में शव मिलने से परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। ग्राम सुरसेनी निवासी लौंगश्री (65) पत्नी सोनलाल बीते 24 सितंबर को घर से निकली थीं। देर शाम तक वापस न लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद पुत्र सर्वेश ने कोतवाली पहुंचकर पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर वृद्ध महिला की तलाश शुरू कर दी थी। शनिवार को क्षेत्र के ग्राम मल्लाहन पुरवा के निकट ग्रामीणों ने एक वृद्ध महिला का शव पड़ा देखा। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त कराई। जिसमें शव की पहचान लापता वृद्ध महिला के रूप में हुई। फिलहाल महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई? इसका पता नहीं चल सका है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि वह घर से किस उद्देश्य से निकली थीं और गंगा कटरी क्षेत्र तक कैसे पहुंचीं।

पुलिस चौकी के सामने तीन दुकानों में लाखों की चोरी

चोर नकदी, कंप्यूटर, जरूरी कागजात और अन्य सामान समेत लाखों का माल ले गए

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , रानीगंज थाना क्षेत्र में पुलिस चौकी से सिर्फ 100 मीटर दूर तीन दुकानों में चोरी हो गई। शनिवार रात चोर लाखों रुपये का सामान ले गए। इस घटना से इलाके के व्यापारियों में डर है। आज रविवार सुबह जब दुकानदार ने देखा तो उउनके होश उड़ गए चोरों ने कायस्थ पट्टी पावर हाउस के पास इरशाद सीमेंट एजेंसी, मोहम्मद हाफिज की फर्नीचर दुकान और सद्दाम आटा चक्की को निशाना बनाया। मोहम्मद हाफिज की दुकान की दीवार में सेंध लगाकर चोर अंदर घुसे। इरशाद सीमेंट एजेंसी से कंप्यूटर, जरूरी कागजात और गल्ले से 25 हजार रुपये नकद चोरी हुए। सद्दाम आटा चक्की का शटर तोड़कर चोर दो बोरी पिसा आटा ले गए। तीनों दुकानों से लाखों का सामान चोरी होने की बात सामने आई है। रविवार सुबह दुकानदारों ने सामान अस्त-व्यस्त देखा, तब चोरी का पता चला। पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने जल्द ही घटना का खुलासा करने और चोरी रोकने का भरोसा दिया है। पुलिस चौकी के पास चोरी होने से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

संक्षेप

डंपर ने बाइक को मारी टक्कर, किशोर की मौत

रायबरेली में दूसरा साथी घायल, बाजार से घर लौटते समय हादसा

रायबरेली , गुरबख्शगंज में तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार दो किशोरों को टक्कर मार दी। इस हादसे में 16 साल के सोनू की मौके पर ही मौत हो गई। उसका 15 साल का साथी शुभम गंभीर घायल है। यह घटना गन्ना कांटा के पास हुई। गुरबख्शगंज थाना क्षेत्र में सड़क हादसे लगातार बढ़ रहे हैं। पिछले 10-15 दिनों में 7-8 लोग जान गंवा चुके हैं। सोनू (16) पुत्र अमर बहादुर, अपने दोस्त शुभम (15) पुत्र राकेश कुमार के साथ बाइक पर गुरबख्शगंज से घर लौट रहा था। गन्ना कांटा के पास पीछे से आ रहे डंपर ने उनकी बाइक में टक्कर मारी। राहगीरों ने तुरंत एंबुलेंस बुलाकर दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जतुआ टप्पा पहुंचाया। डॉक्टर ने सोनू को मृत बताया और शुभम का इलाज शुरू किया परिजनों के अनुसार, कुछ समय पहले ही सोनू के पिता अमर बहादुर की मौत हुई थी। सोनू तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था। हादसे की खबर सुनकर मां और भाइयों का रो-रोकर बुरा हाल है।

आंधी-बारिश से 300 से ज्यादा बिजली पोल टूटे

सैकड़ों गांव अंधेरे में, 10 उपकेंद्रों की आपूर्ति बहाल; 110 पोल बदले गए

देवरिया ,तेज आंधी और मूसलाधार बारिश से बिजली व्यवस्था प्रभावित हुई। 300 से ज्यादा बिजली के खंभे टूटे, कई जगह पेड़ हाईटेंशन लाइनों पर गिरे। इससे शहर और ग्रामीण इलाकों के सैकड़ों गांवों में 24 से 48 घंटे तक बिजली बंद रही। अधीक्षण अभियंता अमित कुमार सिंह ने बताया, शनिवार रात प्रभावित 30 बिजली उपकेंद्रों में से 10 की आपूर्ति रविवार शाम तक बहाल कर दी गई। इस दौरान 110 बिजली के खंभे बदले गए। शेष उपकेंद्रों की आपूर्ति भी जल्द बहाल करने का लक्ष्य है।शहर के नाथनगर, भटवलिया, रामलीला मैदान और पुरवा इलाकों में रातभर बिजली गुल रही। इन्वर्टर बंद होने से मोबाइल चार्ज करना मुश्किल हो गया। तरकुलवा, रुद्रपुर, सलेमपुर और भाटपाररानी समेत कई ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली सप्लाई पर असर पड़ा। कर्मचारी बारिश के बीच फाल्ट ठीक करने में जुटे हैं।

10 घंटे बिजली गुल, लोगों में आक्रोश

सड़क पर सीढ़ी रखकर लगाया जाम, बारिश और हवाओं से बिजली आपूर्ति बाधित

शाहजहांपुर,बारिश और तेज हवाओं के कारण शनिवार को शहर के कई इलाकों में करीब 10 घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। इससे नाराज लोगों ने रात करीब साढ़े 10 बजे राजघाट चौकी के पास सड़क पर सीढ़ी रखकर जाम लगा दिया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि लंबे समय से बिजली नहीं आने के कारण घरों में पानी तक की समस्या हो गई है। पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन आक्रोशित लोग बिजली बहाल होने तक जाम खोलने को तैयार नहीं हुए। तेज हवाओं से टूटे 10 बिजली के खंभे तेज हवाओं के कारण शहर के बिजली नेटवर्क को नुकसान पहुंचा है। गोविंदगंज में पांच, अब्दुल्लागंज में तीन और हथौड़ा क्षेत्र में दो बिजली के खंभे टूट गए। इसके अलावा कई स्थानों पर पेड़ों की डालियां बिजली लाइनों पर गिरने से आपूर्ति प्रभावित हुई।

साथी मित्र की हत्या करने का प्रयास करने वाले आरोपी को प्रशासन ने किया गिरफ्तार

खबर का असर

मौके पर धारदार चाकू बरामद प्रशासन ने की कार्यवाही

अमन लेखनी समाचार

बकेवर फतेहपुर ,जनपद के बकेवर थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव शकूराबाद के समीप हुई विगत 6 सितंबर की घटना का आरोपी पुलिस प्रशासन के हाथों लगा मिली जानकारी के अनुसार एक बाइक में जा रहे दो युवक जिसमें शराब के नशे में पैसे की मांग करने में चालक द्वारा न दिए जाने पर पीछे बैठे युवक ने धारदार हथियार से चालक के गले में चाकू से वार कर दिया था जहां गले में बहुत गहरे घाव हुए और हालात गंभीर हो गई घटना को अंजाम देते हुए आरोपी फरार हो गया वहीं घायल का उपचार फतेहपुर तथा कानपुर के अस्पतालों में चला जो अभी भी चल रहा है वहीं पीड़ित युवक दीपक के पिता कामता प्रसाद निवासी गांव कापिल थाना जहानाबाद ने बकेवर थाना में पहुंच कर लिखित तहरीर दी परंतु कोई कार्रवाई नहीं हुई वहीं दर-दर भटकते हुए पीड़ित पुलिस क्षेत्राधिकारी बिंदकी तथा पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचा जहां पुलिस अधीक्षक ने मामले को संज्ञान में लिया और जांच प्रारंभ कराई जांच में विलंब होते देख विगत दिवस तहसील परिसर में जनसुनवाई अंतर्गत भी पीड़ित ने प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया वही इस मामले की विस्तृत खबर हिंदी दैनिक सारसागर समाचार पत्र में प्रकाशित की गई जिसे तत्काल संज्ञान में लेते हुए प्रशासन ने लगभग 18 दिन बाद 25 वर्षीय आरोपी राजू उर्फ चिंन्की दिवाकर पुत्र रामसेवक उर्फ छेददू निवासी गांव कापिल को गिरफ्तार करते हुए जेल भेज दिया मिली जानकारी के अनुसार इस मुहिम में थाना प्रभारी दिवाकर सिंह वरिष्ठ उप निरीक्षक दिनेश कुमार आरक्षी रवींद्र तथा अर्जुन पटेल आदि का सराहनीय सहयोग रहा थाना प्रभारी दिवाकर सिंह ने बताया कि पूर्व काल में पंजीकृत मुकदमा 173 बीएनएस की धारा 109(1) के तहत कार्रवाई की गई

निजी मामले को लेकर दो महिलाओं समेत अज्ञात लोगों ने मुख्य मार्ग किया अवरुद्ध मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

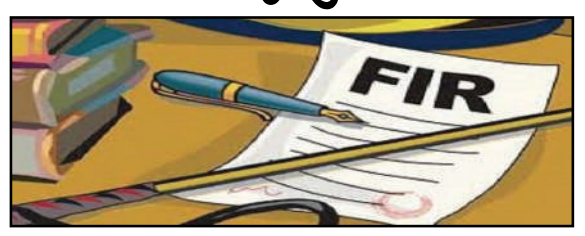

अमौली, फतेहपुर ,जनपद के चांदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत अमौली कस्बे के मुख्य चौराहे पर विगत दिवस दो महिलाओं समेत कई अज्ञात लोगों ने एक निजी विवाद को लेकर मुख्य चौराहे को अवरोध कर दिया मिली जानकारी के अनुसार स्थानीय नागरिक युवती पूजा पाण्डेय पुत्री रामप्रताप महिला सरोजनी देवी पत्नी राम प्रताप पाण्डेय समेत लगभग 8 अज्ञात लोगों ने बगल के एक लोगों के विवाद के चलते न्याय न मिलने पर मुख्य चौराहे पर जाम लगा दिया मामला कोर्ट में विचाराधीन है वही मामले की जानकारी मिलते ही स्थानीय चौकी प्रभारी अविनाश कुमार मिश्रा भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे तथा महिला को समझाने की पूर्ण कोशिश की लाख समझाने के बाद जाम लगाने वाले लोगों ने चौकी प्रभारी की सलाह नहीं सुनी तथा जान देने की बात कहते हुए जिला अधिकारी को बुलाने की बात कही शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील चौकी प्रभारी द्वारा बार-बार की गई परंतु महिलाओं द्वारा लगभग आधे घंटे तक मुख्य चौराहे पर जमकर हंगामा काटा गया जिससे भारी भीड़ चारों तरफ इकट्ठा हो गई आवागमन पूर्ण रूप से बाधित हो गया आहत होकर प्रशासन ने उपर्युक्त दोनों महिलाओं समेत 8 अज्ञात लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 189(1)189(2)190,126(2) शांति भंग का मुकदमा दर्ज किया वहीं सूचना मिलने पर राजस्व निरीक्षक देवेंद्र सिंह कस्बा लेखपाल सतीश गौतम विनोद कुमार आदि ने पहुंचकर जांच पड़ताल करते हुए शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा न्यायालय के निर्देश का पालन करने की अपील की

इस वर्ष दस दिवसीय होगा शारदीय नवरात्रि पर्व.. आचार्य आयुष द्विवेदी जी महाराज

देवी आराधना का पर्व 11 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 20 अक्टूबर तक रहेगा

अमन लेखनी समाचार

निर्मित द्विवेदी

बिंदकी, फतेहपुर। शक्ति की उपासना का महापर्व शारदीय नवरात्रि इस वर्ष 11 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 20 अक्टूबर तक रहेगा।इस वर्ष नवरात्रि तिथि में वृद्धि होने के कारण यह महापर्व 10 दिनो तक चलेगा।अष्टमी तिथि दो दिनो तक व्याप्त रहने से भक्तों को अधिष्ठात्री मां भगवती की भक्ति का विशेष अवसर प्राप्त होगा।मां पन्थेश्वरी पीठ के प्रधान पुजारी आचार्य आयुष द्विवेदी जी महाराज ने बताया कि नवरात्रि के पहले दिन घटस्थापना का विशेष महत्व होता है।इस वर्ष नवरात्रि के पहले दिन पूरे समय चित्रा नक्षत्र और वैधृति योग की उपस्थिति रहेगी।धार्मिक ग्रंथों में इन योगो के दौरान कलश स्थापना करना वर्जित माना गया है। ऐसी स्थिति में अभिजीत मुहूर्त में देवी स्थापना करना शास्त्र सम्मत माना गया है, कलश स्थापना के लिए अभिजीत मुहूर्त सुबह 11:20 से 12:07 के मध्य है।मां पन्थेश्वरी पीठ के पीठाधीश्वर आचार्य आयुष द्विवेदी जी महाराज ने बताया कि नवरात्रि का आरंभ रविवार से होने के कारण मां का आगमन हाथी पर हो रहा है, जो कि अत्यधिक वर्षा और प्राकृतिक समृद्धि का प्रतीक है, वहीं नवरात्रि का समापन मंगलवार को होने से मां का गमन कुक्कुट (मुर्गे) पर होगा।20 अक्टूबर को विजयादशमी और 21 अक्टूबर को नवरात्रि व्रत का पारायण होगा ।

बाढ़ राहत पीड़ितों को विधायक ने प्रदान किया राहत सामग्री

मन की बात कार्यक्रम को देखने पहुंचे सैकड़ो समर्थक क्षेत्रवासी

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर , जनपद के जहानाबाद विधानसभा अंतर्गत क्षेत्रीय विधायक राजेंद्र सिंह पटेल ने विधानसभा के होलापुर देवमई आदि गांव में पहुंचकर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 138 वें मन की बात कार्यक्रम को आम जनमानस के साथ बैठकर श्रवण किया भाजपा कार्यकताओं एवं ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री का संदेश सुनकर स्वच्छता अभियान चलाया जहां जगह-जगह स्वयं क्षेत्रीय विधायक मंडल अध्यक्ष तथा अन्य जनप्रतिनिधियों ने झाड़ू लेकर साफ सफाई का कार्यक्रम संपन्न किया इसी प्रकार क्षेत्रीय विधायक ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र आशापुर अभयपुर और औसेरीखेड़ा मदारपुर बिंदकी फॉर्म बड़ाखेड़ा सननहा कालू कुंडी नया खेड़ा आदि गांव पहुंचकर लगभग 646 बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री वितरित कर राहत पहुंचाई वहीं राशन किट पाकर क्षेत्र वासियों के चेहरे खिल उठे इस मौके पर क्षेत्रीय विधायक के साथ पूर्व मंडल अध्यक्ष अरुण शुक्ला तहसीलदार धीरज त्रिपाठी ग्राम प्रधान रामदास ओमनारायण कश्यप दुर्गा प्रसाद रामानंदी नीरज प्रताप सिंह रामदेवी अनीता रामगोपाल भानु प्रताप आदि लोग मौजूद रहे

डेढ़ सप्ताह से गायब छात्रा को प्रशासन ने किया बरामद आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

जहानाबाद, फतेहपुर , जनपद के जहानाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव निवासिनी छात्रा के गायब हो जाने के बाद पीड़ित भाई ने नजदीकी थाना जहानाबाद में अज्ञात युवक के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया था जहां थाना प्रभारी योगेश कुमार ने छात्रा की खोजबीन प्रारंभ की कठिन परिश्रम के पश्चात लगभग 10 दिन बीत जाने पर पुलिस प्रशासन को सफलता हाथ लगी लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश देते हुए मुखबिर की सटीक सूचना के आधार पर विगत दिवस शनिवार देर शाम थाना प्रशासन की टीम कानपुर नगर के नौरंगा कस्बे पहुंची जहां मंडी समिति के समीप से छात्रा तथा आरोपी दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया छात्रा को परिजनों को सुपुर्द किया गया वहीं आरोपी युवक सुमित निवासी गांव निरखी को हिरासत में लेकर अपहरण समेत विभिन्न धाराओं में दर्ज मुकदमा के अंतर्गत कार्रवाई की गई थाना प्रभारी योगेश कुमार ने बताया कि सुपुर्दगी से पूर्व छात्रा को मेडिकल परीक्षण के लिए भी भेजा गया है वहीं मेडिकल परीक्षण के पश्चात परिजनों को सुपुर्द किया गया

महिला अस्पताल में वार्ड बॉय ने तीमारदार को पीटा

सिक्योरिटी गार्ड्स के सामने हुई मारपीट, परिजनों ने दबंगई का आरोप लगाया; जांच शुरू

अमन लेखनी समाचार

रायबरेली के महिला जिला अस्पताल में वार्ड बॉय और तीमारदार के बीच मारपीट का वीडियो वायरल हुआ है। वीडियो में वार्ड बॉय तीमारदार को पीटता दिख रहा है, जबकि सिक्योरिटी गार्ड्स वहां मौजूद थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि तीमारदार विपिन अपने परिजन को लेकर अस्पताल में भर्ती था। दवा लेने को लेकर वार्ड बॉय से उसकी कहासुनी हुई, जो मारपीट में बदल गई मारपीट के दौरान सुरक्षा गार्ड्स ने बीच-बचाव किया। अस्पताल की नर्सों ने भी दोनों को फटकार लगाई। 13 सेकंड का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। मारपीट के दौरान सुरक्षा गार्ड्स ने बीच-बचाव किया। अस्पताल की नर्सों ने भी दोनों को फटकार लगाई वीडियो वायरल होने के बाद अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया। जिला महिला अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधीक्षक का मोबाइल स्विच ऑफ मिला। मुख्य चिकित्सा अधिकारी रायबरेली ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

चिराग पासवान का जेन- जी स्टाइल

लोजपा प्रमुख जींस-टीर्शट में पहुंचे, यूथ बोले तो कार्यक्रम में कहा-यूपी में युवा आयोग का गठन करेंगे

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज,लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान यूथ बोले तो कार्यक्रम में शामिल हुए। परेड मैदान में शाम 4 बजे से शुरू हुए कार्यक्रम में वह जेन-जी स्टाइल में आए।जींस और टी-शर्ट पहनकर मंच पर पहुंचे चिराग ने युवाओं, छात्रों का अभिवादन किया। चिराग पासवान ने कहा एक ऐसे प्रदेश का निर्माण हो, जहां हमारी समस्याओं का समाधान हो। हम आप मिलकर परीक्षा से लेकर भविष्य निर्माण करने वाला प्रदेश बनाएंगे। यहां युवाओं की मदद से बदलाव के लिए आए हैं। युवाओं ने स्टार्टअप की मदद से काफी बदलाव किया है। हम अपने विभाग और मंत्रालय की मदद से स्टार्ट अप को प्रमोट कर रहे हैं। हमारे देश में कई तरह का आयोग है। महिला आयोग, बाल आयोग, अल्पसंख्यक आयोग, एससी-एसटी आयोग है। देश की सबसे बड़ी आबादी युवाओं की है।चाहता हूं कि ऐसे आयोग का गठन हो, जहां पर युवा समस्या लेकर जाएं और समाधान लेकर बाहर निकलें। हमने बिहार में युवा आयोग का गठन किया है। अब उत्तर प्रदेश में भी इसका गठन करेंगे। हम चाहते हैं कि राष्ट्रीय स्तर भी नेशल युथ कमीशन का गठन करें। बिहार में युवा आयोग का गठन हो चुका है। अब उप्र में भी करेंगे। सबका साथ मिला तो राष्ट्रीय स्तर पर आयोग का गठन किया जाएगा। नई जनरेशन नया काम करे। खुद के रोजगार के साथ अपने साथियों को भी आगे लेकर चले। हम लगातार स्टार्टअप प्रोमोट कर रहे हैं। पढ़े-लिखे युवाओं को पॉलिटिक्स में आने की जरूरत है। जल्द ही एक ऐसी व्यवस्था शुरू की जाएगी कि आप डिजिटल माध्यम से अपनी बाते शेयर कर सकते हैं। आज पेपर लीक होता है, परीक्षा रद्द होती है तो चिंता होती है। युवा डिग्री लेकर भटकते हैं और कोई नौकरी नहीं देता तो हमें चिंता होती है। इन सभी बातों पर चर्चा करने, सोचने की जरूरत है। यूपी में कई बदलाव करने की जरूरत है। आपने बदलाव में साथ दिया तो आपका उत्तरप्रदेश आपके सहयोग से आपके लिए बना के दूंगा। लोजपा के कार्यक्रम की पल-पल की अपडेट के लिए नीचे ब्लॉग से गुजर जाइएङ्घ चिराग बोले- युवाओं की समस्या के समाधान के लिए यह मंच तैयार किया है चिराग बोले-पेपर लीक होता है, परीक्षा रद्द होती है, बदलाव की जरूरत हैकई बदलाव करने की जरूरत है। आज पेपर लीक होता है। परीक्षा रद्द होती है। डिग्री लेकर भटकते हैं और कोई नौकरी नहीं देता तो हमें चिंता होती है। इन सभी बातों पर चर्चा करने की जरूरत है। सोचने की जरूरत है। युवाओं से संवाद के दौरान कहा- हम स्टार्टअप को प्रमोट कर रहे हैं चिराग पासवान ने स्टार्ट अप के सवाल पर कहा कि, नई जनरेशन नया काम करे। खुद के रोजगार के साथ अपने साथियों को भी आगे लेकर चलें। हम लगातार स्टार्टअप प्रोमोट कर रहे हैं।

यूपी में बारिश से फसलें बर्बाद, पके धान डूबे

किसान बोले- 15-20 पौधों को बांधकर खड़ा करेंगे, कर्ज लेकर खेती की

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज,यूपी में लगातार बारिश और तेज हवाओं ने खेतों में खड़ी किसानों की महीनों की मेहनत को बबार्दी में बदल दिया है।खेतों में तैयार धान की फसल कहीं पानी में डूब गई तो कहीं तेज हवा से जमीन पर बिछ गई। दाना बनने और पकने की कगार पर पहुंची फसल पर सबसे ज्यादा मार पड़ी है। मक्का और अरहर के खेत भी जलभराव की चपेट में हैं। बरेली के कई इलाकों में खेत तालाब बन गए हैं। किसानों का दर्द सिर्फ फसल खराब होने का नहीं, बल्कि उस पैसे और मेहनत के डूबने का है जो उन्होंने चार महीने से खेत में लगा रखी थी। गोरखपुर के किसान मृत्युंजय सिंह ने बताया कि उन्होंने धान की कटाई के लिए केसीसी से कर्ज लिया था, लेकिन खेत में पूरी फसल पानी में डूब गई है। प्रयागराज के किसान रंजीत पटेल ने कहा- शुरूआत में अच्छी बारिश होने से धान की फसल काफी बेहतर लग रही थी। अच्छी पैदावार की उम्मीद थी, लेकिन 3 दिन की इस बारिश से भारी नुकसान हुआ है। अब हम किसान लोग धान के 15-20 पौधों को बीच-बीच में बांधकर खड़ा करने का प्रयास करेंगे, ताकि खाने को कुछ मिल जाए। बरेली के किसान अमित कुमार की 15 बीघा धान की फसल पानी में दब गई, प्रयागराज के मुन्नी लाल की पककर तैयार फसल गिर गई और गोरखपुर के किसानों की कटाई के समय पहुंची धान की फसल खेत में ही बिछ गई। अब किसानों के सामने लागत निकालना तो दूर, परिवार के लिए सालभर का अनाज जुटाने की चिंता खड़ी हो गई है। पढ़िए शहरों के हालात और वहां के किसानों का दर्द

बरेली के किसान बोले- धान के खेत में 1 फीट पानी भरा

बरेली के बारी नगला गांव निवासी किसान अमित कुमार ने कहा- हमने लगभग 15 बीघा धान की फसल लगाई है, जो पूरी तरह से जमींदोज हो गई है। उनमें कम से कम एक फीट पानी भरा है। धान दिख ही नहीं रहे हैं और नष्ट हो गए हैं। बरेली के किसान धीरेंद्र ने कहा- काफी नुकसान हो गया है। हमी पूरी फसल चौपट हो गई है। पूरी खेती खराब हो गई है। शुक्रवार की सुबह से लगातार बारिश हो रही है, जो अभी भी जारी है। हमारी लगभग 6-7 एकड़ धान की फसल थी। अब दाने काले होंगे या सड़ जाएंगेफरीदपुर, मीरगंज, बहेड़ी, नवाबगंज और आंवला समेत जिले के कई ग्रामीण इलाकों में खेतों में लबालब पानी भर गया है। इस समय धान की फसल खेतों में दाने बनने और पकने की अंतिम अवस्था में थी। लगातार बारिश के कारण धान की जड़ें कमजोर हुईं, इसके बाद हवा में फसलें गिर गईं। अब धान के दाने या तो काले पड़ जाएंगे या सड़ जाएंगे। बारिश का कहर केवल धान तक सीमित नहीं है। निचले और समतल इलाकों के खेतों में पानी भर जाने से मक्का और अरहर की फसलों को भी भारी नुकसान पहुंचा है।

दरोगा को जूते से पीटते वीडियो वायरल

जांच में फेक निकला, लाइक व्यूज पाने के चक्कर में की शरारत, पकड़े गए 2 युवक

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर ,पुलिसकर्मी से मारपीट करते हुए एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमे एक युवक दरोगा की वर्दी पहने व्यक्ति की जूते से पिटाई करता दिख रहा है। वदीर्धारी भी उसपर हाथ चलाता दिख रहा है।पुलिस टीम ने जब इस वायरल वीडियो की जांच की तो फेक निकला। लाइक और व्यूज पाने की चक्कर में वीडियो बनाया गया है। जिससे पुलिस की छवि भी खराब हो रही है। इस घटना को संज्ञान में लेकर शाहपुर और साइबर पुलिस वीडियो बनाने वाले की तलाश शुरू की। रविवार शाम 2 युवकों को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। यह वीडियो शाहपुर थाना क्षेत्र में बनाया गया था। शाहपुर थाने में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज किया जा रहा है।

वीडियो वायरल होने पर पुलिस एक्टिव हुई

पुलिस के मुताबिक, सोशल मीडिया पर रविवार को यह वीडियो वायरल हुआ। इसके बाद पुलिस एक्टिव हुई। वीडियो में दिख रहा है कि एक युवक जो काली सदरी और वाइट शर्ट पहने हुए है। वह नौका विहार की एक स्टंट की घटना को बताकर एक पुलिस को गालियां दे रहा है। इस दौरान एक बाइक पर दरोगा की वर्दी और टोपी पहने व्यक्ति आता है।

तिलहर विद्युत उपकेंद्र में पानी भरा

कर्मचारी जान जोखिम में डाल काम कर रहे, अधिकारियों से ध्यान देने की अपील

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर, तिलहर विद्युत उपकेंद्र में बारिश के बाद पानी भर गया है। यहां कर्मचारी जान जोखिम में डालकर काम करने को मजबूर हैं। एक कर्मचारी ने वीडियो वायरल कर अधिकारियों से ध्यान देने की अपील की है। वीडियो में कर्मचारी बता रहा है कि उपकेंद्र के यार्ड में पानी भरा है। ट्रांसफार्मर ट्रिप होने पर उन्हें इसी पानी में जाकर ठीक करना पड़ता है। ऊपर 33 केवी लाइन चल रही है, जिससे करंट लगने का खतरा बना रहता है। कर्मचारी ने बताया कि ब्रेकर के मोटर बदलने और एसएसओ की जान को भी खतरा है। अधिकारियों को कई बार इसकी जानकारी दी जा चुकी है। जिले के कई और उपकेंद्रों में भी बारिश का पानी भर जाता है। वहां भी इसी तरह से कर्मचारी काम करने को मजबूर होते हैं। शनिवार को तेज हवा और बारिश से शहर व ग्रामीण इलाकों में बिजली बंद कर दी गई थी। कई जगह पेड़ लाइन पर गिरे। रात तक बिजली न आने पर लोगों ने अब्दुल्लागंज उपकेंद्र और राजघाट पुलिस चौकी के पास सड़क जाम की और जमकर नारेबाजी की थी।

बारिश से 8 कच्चे मकान गिरे

पहले ही परिवार सुरक्षित जगहों पर चले गए थे, घरेलू सामान हुआ खराब

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर , आलमपुर गांव में लगातार बारिश के कारण रविवार सुबह करीब चार बजे आठ कच्चे मकान गिर गए। गनीमत रही कि हादसे के वक्त कोई भी परिवार घर के अंदर नहीं था, जिससे कोई हताहत नहीं हुआ। ग्राम प्रधान ने दो दिन पहले ही सभी परिवारों को बारिश के खतरे को लेकर सचेत कर दिया था। इसके बाद सभी लोग सुरक्षित जगहों पर चले गए थे। मोरपाल और नेत्रपाल समेत आठ परिवारों के मकान गिरे हैं। उनका घरेलू सामान भी खराब हो गया। ग्राम प्रधान ने बेघर हुए मोरपाल और नेत्रपाल को पंचायत घर में ठहराया है। आलमपुर निवासी रामकुमार, कांता, राखी, कांति देवी, अनीता, सुनीता, मोरपाल और नेत्रपाल के कच्चे मकान लगातार बारिश के कारण धराशायी हो गए।

आर्थिक मदद और आवास की मांग की

मकान गिरने से परिवारों का घरेलू सामान भी प्रभावित हुआ है। मोरपाल और नेत्रपाल के पास फिलहाल रहने की कोई जगह नहीं बची है। ऐसे में ग्राम प्रधान ने दोनों परिवारों को पंचायत घर में रहने की व्यवस्था कराई है। ग्राम प्रधान और लेखपाल ने मौके पर पहुंचकर नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है। पीड़ित परिवारों ने प्रशासन से आर्थिक मदद और आवास की मांग की है। प्रधान पति सोनू गुप्ता ने बताया कि जिन लोगों के कच्चे मकान बारिश में गिरे हैं, उनके नाम आवास सूची में शामिल हैं।

शाहाबाद में 65 करोड़ बनाम 3 करोड़ का सवाल, बजट बड़ा तो विकास की तस्वीर कैसी?

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद। नगर पालिका शाहाबाद के वार्षिक बजट और विधायक निधि की तुलना को लेकर नगर में चर्चा तेज हो गई है। वर्ष 2024-25 में नगर पालिका की अनुमानित आय 65.27 करोड़ रुपये और अनुमानित व्यय 64.83 करोड़ रुपये बताया गया है। दूसरी ओर विधायक निधि स्तर पर करीब तीन करोड़ रुपये प्रतिवर्ष की राशि बताई जाती है। नगर पालिका का बजट सड़क, नाली, सफाई, स्ट्रीट लाइट, पेयजल, पार्क और अन्य नागरिक सुविधाओं पर खर्च होता है। वहीं विधानसभा क्षेत्र में विधायक निधि अथवा अन्य विकास मदों का स्वरूप और दायरा अलग है। शाहाबाद में मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना के तहत 3.91 करोड़ रुपये से 31 मार्गों के निर्माण का प्रस्ताव स्वीकृत हुआ है। अब सवाल बजट की राशि से अधिक उसके उपयोग और जमीन पर दिखने वाले परिणाम को लेकर है। नगर की सड़क, जलनिकासी, सफाई, स्ट्रीट लाइट और पेयजल व्यवस्था को लेकर लोगों की शिकायतें सामने आती रही हैं। ऐसे में जनता यह जानना चाहती है कि बड़े बजट के बावजूद समस्याओं का स्थायी समाधान क्यों नहीं हो पा रहा है।

अतिवृष्टि प्रभावित गांवों में पहुंचीं राज्यमंत्री रजनी तिवारी, किसानों से जानी समस्याएं

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने रविवार को पिहानी विकासखंड के अतिवृष्टि प्रभावित गांवों का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रभावित ग्रामीणों और किसानों से मुलाकात कर बारिश से हुए नुकसान तथा उनकी समस्याओं की जानकारी ली। राज्यमंत्री ने प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया। उन्होंने अधिकारियों से राहत कार्यों की स्थिति की जानकारी लेते हुए प्रभावित परिवारों तक आवश्यक सहायता पहुंचाने और राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों की लगातार निगरानी करने तथा जरूरतमंद लोगों को समय से सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम शाहाबाद डॉ. अवनीश कुमार, ब्लॉक प्रमुख पिहानी कुशी बाजपेयी सहित क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

किसान नेता की जान बचाने वाले कोतवाली प्रभारी को चेयरमैन ने किया सम्मानित

अमन लेखनी समाचार/हेमन्त यादव

गरौठा। शनिवार को गरौठा कोतवाली में अचानक हार्टअटैक आने से नीचे गिरे किसान नेता अब्बू महाराज निवासी ग्राम बंगरा की कोतवाली प्रभारी निरीक्षक गरौठा रावेंद्र कुमार मिश्र ने तत्परता दिखाते हुए जान बचाई। उन्होंने तत्काल कृत्रिम सांस देकर प्राथमिक सहायता दी, जिससे उनकी हालत में सुधार हुआ। इसके बाद उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गरौठा पहुंचाया गया, जहां उपचार के बाद उनकी हालत सामान्य बताई गई। प्रभारी निरीक्षक के इस सराहनीय कार्य के लिए रविवार को नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ. अरुण कुमार मिश्रा ने नगर पंचायत कार्यालय में उन्हें पट्टिका पहनाकर एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया और उनके कार्य की प्रशंसा की। इस दौरान दीवान लक्ष्मीनारायण, डॉ. ओमप्रकाश दौदेरिया, हरप्रसाद पटेल, नीरज शर्मा सहित नगर पंचायत के पार्षदगण मौजूद रहे।

बारिश बनी आफतः हरदोई जलमग्न, दो की मौत, 10 घायल; चार भैंसें भी मरीं

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। शहर से गांवों तक सड़कें और गलियां जलमग्न हैं। बारिश व तेज हवाओं के बीच पेड़ और दीवारें गिरने से अलग-अलग हादसों में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 10 लोग घायल हुए हैं। कच्ची दीवार गिरने से चार भैंसों की भी मौत हुई है। कई घरों में पानी घुस गया है और फसलों को नुकसान की आशंका है। बेनीगंज के सिकंदरपुर गांव में पेड़ दीवार पर गिरने से वीरेंद्र (60), पत्नी वीरमती (56) और बेटी मोनिका (11) मलबे में दब गए। ग्रामीणों ने तीनों को बाहर निकाला। सीएचसी में चिकित्सकों ने मोनिका को मृत घोषित कर दिया। वीरेंद्र को गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जबकि वीरमती का उपचार जारी है। पिपरी गांव में कच्ची दीवार गिरने से छुन्ना की चार भैंसें दब गईं। ग्रामीणों के प्रयास के बावजूद चारों की मौत हो गई। करीब तीन से चार लाख रुपये के नुकसान का अनुमान है। रेलवेगंज लोहा मंडी में दीवार गिरने से दुकान मालिक रामनाथ गुप्ता समेत चार लोग घायल हुए। कछौना के फतेपुर मजरा गाजू में दीवार गिरने से सुंदरलाल (55) की मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। खजोहना में भी एक कमरा ढह गया, हालांकि परिवार के लोग समय रहते बाहर निकल आए।

बिजली संकट ने बढ़ाई परेशानी

बारिश और तेज हवाओं से विद्युत व्यवस्था भी प्रभावित हुई है। कई स्थानों पर पेड़ गिरने से खंभे टूटे और तार क्षतिग्रस्त हुए। विद्युत केंद्रों में जलभराव से आपूर्ति बहाली में दिक्कत आई। पानी निकालने के लिए पंपिंग सेट लगाए गए हैं और विद्युत विभाग की टीमें मरम्मत में जुटी हैं। जिलाधिकारी राहुल पांडेय ने मन्नापुर विद्युत केंद्र पहुंचकर जलभराव और विद्युत उपकरणों का जायजा लिया तथा अधिकारियों को जल्द व्यवस्था सामान्य करने के निर्देश दिए। शहर के रामदत्त चौराहा, बड़ा चौराहा, नघेटा रोड, सदर बाजार, धर्मशाला रोड, नुमाइश चौराहा और आर्य कन्या डिग्री कॉलेज समेत कई इलाकों में जलभराव है। 26 सितंबर की रिपोर्ट के अनुसार जिले की पांचों तहसीलों में कुल 250 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। बारिश को देखते हुए कक्षा एक से 12 तक के स्कूल बंद रखे गए। प्रशासन ने लोगों से जर्जर मकानों और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने तथा बिजली के तारों और खंभों से दूरी बनाए रखने की अपील की है।

खास समाचार

टोडरपुर में सफाई व्यवस्था का संकट, चोक नालियों से सड़कों पर बह रहा गंदा पानी

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद। विकासखंड टोडरपुर की कई ग्राम पंचायतों में सफाई व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। जमुरा, टुमुर्की और मझिला जैसी बड़ी आबादी वाली ग्राम पंचायतों में ग्रामीणों ने नियमित सफाई न होने की शिकायत की है। कई स्थानों पर कूड़े के ढेर, चोक नालियां और सड़कों पर बहता गंदा पानी परेशानी का कारण बना हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि सफाई कर्मियों की नियमित मौजूदगी और उनके कार्यों की निगरानी पर्याप्त नहीं है। उनका कहना है कि यदि सफाई कर्मी तैनात हैं तो गलियों और नालियों में लंबे समय से जमा गंदगी क्यों नहीं हटाई जा रही है। जलभराव और सड़ते कचरे से मच्छरों का प्रकोप बढ़ने की भी शिकायतें हैं। सफाई के बजाय ब्लॉक कार्यालय में काम कराने का आरोप सूत्रों के अनुसार कुछ सफाई कर्मियों से ग्राम पंचायतों में सफाई कार्य के बजाय ब्लॉक कार्यालय में अन्य सरकारी कार्य कराए जाने की चर्चा है। ग्रामीणों ने इस व्यवस्था की जांच की मांग की है। वेतन संबंधी प्रक्रियाओं में कथित शुल्क लिए जाने की चर्चा भी सामने आई है, हालांकि इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ग्रामीणों ने बड़ी ग्राम पंचायतों में सफाई कर्मियों की तैनाती, वास्तविक उपस्थिति और कार्यक्षेत्र की जांच कराने तथा नियमित सफाई, कूड़ा उठान और जलनिकासी की व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है।

डाक बंगला के पास निजी वाहनों का कथित अवैध संचालन, एआरटीओ से कार्रवाई की मांग

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद। डाक बंगला के पास निजी वाहनों से सवारियां बैठाकर विभिन्न स्थानों तक ले जाने के आरोप लगाते हुए वाहन मालिकों ने एआरटीओ हरदोई को ज्ञापन दिया है। शिकायतकताओं ने नियमों के विपरीत संचालित वाहनों की जांच कर कार्रवाई की मांग की है। वाहन मालिक चांद खान का आरोप है कि डाक बंगला के सामने निजी वाहन खड़े कर सवारियां बैठाई जाती हैं और उन्हें महुआटोला सहित अन्य स्थानों तक ले जाया जाता है। उनका कहना है कि वैध वाहन संचालक टैक्स, परमिट और अन्य निर्धारित नियमों का पालन करते हैं, जबकि कथित अवैध संचालन से उनके व्यवसाय पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। वाहन मालिकों ने मामले की निष्पक्ष जांच और नियमों के विपरीत संचालन मिलने पर कार्रवाई की मांग की है। अब परिवहन विभाग की जांच और कार्रवाई पर नजर है।

हरदोई पुलिस में बड़ा फेरबदल, 192 कर्मियों के तबादले से बदली तैनाती व्यवस्था

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने जिले में व्यापक फेरबदल करते हुए 192 पुलिसकर्मियों के तबादले किए हैं। इनमें उपनिरीक्षक, मुख्य आरक्षी, आरक्षी और महिला आरक्षी शामिल हैं। आदेश के बाद विभिन्न थानों और पुलिस इकाइयों में तैनाती व्यवस्था बदल गई है। तबादला सूची में 14 उपनिरीक्षक शामिल हैं। पुलिस लाइन के हरदीप कुमार और सुरजीत यादव को साइबर थाना भेजा गया है। रंजीत कुमार चौधरी और शुभम सिंह यादव को कोतवाली देहात, रतन सिंह को बेनीगंज, शशिकांत सिंह और रणजीत सिंह को पाली तथा मो. खालिद को हरपालपुर भेजा गया है। राम कुमार को सुरसा से यूपी-112 और सुरेंद्र कुमार यादव को कछौना से यूपी-112 भेजा गया है। वहीं यूपी-112 में तैनात वीरेंद्र कुमार सोनकर को सुरसा और राजेश कुमार मौर्य को कछौना भेजा गया है। घनश्याम बिंद का तबादला पाली से कछौना किया गया है। इसके अलावा बड़ी संख्या में मुख्य आरक्षी, आरक्षी और महिला आरक्षियों को पुलिस लाइन, यूपी-112, न्यायालय सुरक्षा, यातायात और विभिन्न थानों में नई जिम्मेदारी दी गई है।

सूर्यविहार किशोर कारागार में व्यवस्थाओं का लिया जायजा

- जिला जज, डीएम व एसएसपी ने किया निरीक्षण, भोजन-स्वास्थ्य से लेकर शिक्षा और सुरक्षा की जांच
- देवरिया और कुशीनगर के किशोर रहते हैं यहां, सुधारात्मक वातावरण उपलब्ध कराने पर जोर

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। किशोर न्याय अधिनियम के तहत किशोरों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए जिला जज राज कुमार, जिलाधिकारी दीपक मीणा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने अधिकारियों के साथ तिवारीपुर थाना क्षेत्र स्थित सूर्यविहार किशोर कारागार (सम्प्रेक्षण गृह) का निरीक्षण किया। सूर्यविहार किशोर कारागार में केवल देवरिया और कुशीनगर जनपद के किशोर रहते हैं। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने किशोरों के रहने की व्यवस्था, भोजन, स्वास्थ्य, सुरक्षा, शिक्षा, विधिक सहायता, कौशल विकास और मनोवैज्ञानिक परामर्श सहित विभिन्न व्यवस्थाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सम्प्रेक्षण गृह के बैरकों और कमरों की साफ-सफाई, पर्याप्त रोशनी और वेंटिलेशन की स्थिति देखी। संबंधित अधिकारियों से नियमित साफ-सफाई और रखरखाव के बारे में जानकारी ली गई। अधिकारियों ने निर्देश दिया कि किशोरों को स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराया जाए तथा परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था को लगातार बेहतर रखा जाए। अधिकारियों ने किशोरों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की गुणवत्ता और नियमितता की भी जानकारी ली। भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने तथा किशोरों को पौष्टिक एवं मानक के अनुरूप भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही स्वास्थ्य सुविधाओं की समीक्षा करते हुए किशोरों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, आवश्यक दवाओं और बीमारी की स्थिति में तत्काल उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। निरीक्षण के दौरान विधिक सहायता की स्थिति की भी जानकारी ली गई। अधिकारियों ने यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि प्रत्येक किशोर को उसके मामले और कानूनी अधिकारों की जानकारी समय से मिले तथा आवश्यकता के अनुसार विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाए।

सोनभद्र में 25 सितंबर से 24 नवंबर तक धारा-163 प्रभावी

- पर्व-त्योहार, महत्वपूर्ण परीक्षाओं एवं धरना-प्रदर्शनों के मद्देनजर जिलाधिकारी ने जारी किए निर्देश
- बिना अनुमति जुलूस-धरना पर रोक, सोशल मीडिया पर अफवाह और भड़काऊ सामग्री पर रहेगी कड़ी निगरानी।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। आगामी प्रमुख पर्वों एवं त्योहारों, महत्वपूर्ण प्रतियोगी एवं शैक्षणिक परीक्षाओं तथा विभिन्न राजनीतिक एवं अराजनैतिक संगठनों द्वारा आयोजित किए जाने वाले धरना-प्रदर्शन आदि के दृष्टिगत जनपद में शांति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा-163 (2) के तहत जनपद के सम्पूर्ण क्षेत्र में दिनांक 25 सितंबर 2026 से 24 नवंबर 2026 तक निषेधाज्ञा प्रभावी कर दी है। जिलाधिकारी ने कहा है कि आगामी पर्व-त्योहारों एवं विभिन्न आयोजनों के दौरान अवांछित तत्वों द्वारा शांति एवं कानून व्यवस्था प्रभावित किए जाने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसके अतिरिक्त विभिन्न महत्वपूर्ण प्रतियोगी एवं शैक्षणिक परीक्षाओं के दौरान भी शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित वातावरण बनाए रखना आवश्यक है। इसी के दृष्टिगत जनपद में निषेधाज्ञा लागू की गई है।

बिना अनुमति सभा, जुलूस और धरना-प्रदर्शन नहीं

निषेधाज्ञा के तहत जिला मजिस्ट्रेट, अपर जिला मजिस्ट्रेट अथवा संबंधित उप जिलाधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना किसी भी व्यक्ति या समूह द्वारा सभा, धरना-प्रदर्शन अथवा जुलूस का आयोजन नहीं किया जाएगा और न ही किसी को इसके लिए प्रेरित किया जाएगा। धार्मिक मेले, बारात एवं शव यात्राएं इस प्रतिबंध से मुक्त रहेंगी।

हथियार, लाठी-डंडे और विस्फोटक सामग्री पर प्रतिबंध

सार्वजनिक स्थानों पर अस्त्र-शस्त्र, आग्नेयास्त्र, विस्फोटक अथवा ज्वलनशील सामग्री लेकर चलना या उसे एकत्र करना प्रतिबंधित रहेगा। जुलूस, सभा एवं रैलियों में प्रतिबंधित असलहे, लाठी-डंडे, ईंट-पत्थर अथवा ऐसी अन्य सामग्री ले जाना प्रतिबंधित किया गया है, जिसका उपयोग शांति व्यवस्था प्रभावित करने के लिए किया जा सकता है।

भड़काऊ नारेबाजी और आपत्तिजनक प्रचार पर रोक

पोस्टर, पम्पलेट, पर्चे, सोशल मीडिया अथवा ध्वनि विस्तारक यंत्रों के माध्यम से ऐसा कोई प्रचार, नारेबाजी अथवा सामग्री प्रसारित नहीं की जाएगी, जिससे किसी वर्ग, जाति अथवा समुदाय में तनाव उत्पन्न होने की संभावना हो।

सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी, अफवाह फैलाने वालों पर कार्रवाई

फेसबुक, व्हाट्सएप एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों पर झूठी, भ्रामक, उत्तेजनात्मक अथवा अफवाह फैलाने वाली सामग्री के प्रसार पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी।

गरौठा में पत्रकार हुए लामबंद, संयुक्त बैठक में बनी रणनीति

- संगठन की मजबूती, पत्रकारों के वेरिफिकेशन और जनसमस्याओं को लेकर हुआ मंथन

अमन लेखनी समाचार

गरौठा। रविवार को श्री बजरंग धर्मशाला में नेशनल पत्रकार एसोसिएशन एवं ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की संयुक्त बैठक आयोजित हुई। बैठक में पत्रकारों की विभिन्न समस्याओं, संगठन की मजबूती, आगामी चुनाव तथा क्षेत्रीय मुद्दों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि एक सप्ताह के भीतर क्षेत्र के पत्रकारों का वेरिफिकेशन कराया जाएगा। इसके लिए पत्रकारों से आवश्यक जानकारी एवं दस्तावेज उपलब्ध कराने को कहा गया, ताकि संगठन से जुड़े पत्रकारों का व्यवस्थित रिकॉर्ड तैयार हो सके। पत्रकारों ने क्षेत्र की स्थानीय समस्याओं को प्रमुखता से उठाकर उन्हें संबंधित अधिकारियों एवं प्रशासन तक पहुंचाने पर भी चर्चा की। साथ ही आगामी चुनाव को लेकर संगठन की रणनीति और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने पर सहमति बनी। बैठक में पत्रकारों के प्रति भ्रांतियां फैलाने तथा पत्रकारिता की छवि प्रभावित करने वाले मामलों में संगठनात्मक स्तर पर आवाज उठाने का निर्णय लिया गया। वक्ताओं ने पत्रकारों की एकजुटता, आपसी समन्वय और निष्पक्ष पत्रकारिता पर जोर दिया। अंत में पत्रकारों ने संगठन को मजबूत बनाने और जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाने का संकल्प लिया। इस मौके पर कसवा सहित ग्रामीण क्षेत्र के समस्त पत्रकार मौजूद रहे।

अत्यधिक वर्षा को लेकर जिलाधिकारी ने जारी की एडवाइजरी, अधिकारी पूर्ण अलर्ट मोड में रहें

- नदी-नालों, बांधों एवं जलाशयों पर सतत निगरानी के निर्देश, संवेदनशील क्षेत्रों में तत्काल कार्रवाई पर जोर
- जिलाधिकारी की अपील—बरसात में नदी-नालों एवं जलधाराओं के पास जाने से बचें, सुरक्षा को दें सर्वोच्च प्राथमिकता

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। में लगातार हो रही अत्यधिक वर्षा तथा आगामी दिनों में भी भारी वर्षा की संभावना के दृष्टिगत जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने जनपद में एडवाइजरी जारी करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को पूर्ण सतर्कता एवं अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों, क्षेत्राधिकारियों, जिला पंचायत राज अधिकारी एवं आपदा प्रबंधन टीमों को निरंतर क्षेत्र में भ्रमणशील रहते हुए वर्षा एवं जलस्तर की स्थिति पर पैनी नजर बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में नदियों, नालों, जलाशयों, बांधों एवं अन्य संवेदनशील जल निकायों की स्थिति का मौके पर निरंतर निरीक्षण करते रहें। राजस्व, पुलिस एवं आपदा प्रबंधन की टीमों को सक्रिय रखते हुए किसी भी अप्रिय स्थिति की सूचना प्राप्त होते ही तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। लगातार वर्षा के कारण पुराने एवं जर्जर मकानों के गिरने, पेड़ों के गिरने, जलभराव तथा अन्य वर्षाजनित दुर्घटनाओं की संभावना को देखते हुए संवेदनशील स्थानों को चिन्हित कर वहां विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। आवश्यकता पड़ने पर संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को समय रहते सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिलाधिकारी ने ग्राम स्तर पर ग्राम प्रधान, लेखपाल, सचिव, पंचायत सहायक एवं अन्य फील्ड कर्मियों के माध्यम से व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। नगरीय क्षेत्रों में भी संबंधित निकायों एवं फील्ड टीमों के माध्यम से नागरिकों को सावधानी बरतने के लिए जागरूक किया जाएगा।

सोन नदी एवं बांधों के जलस्तर पर विशेष निगरानी

जिलाधिकारी ने सोन नदी, रिहंद जलाशय एवं अन्य प्रमुख जलाशयों के जलस्तर की निरंतर निगरानी के निर्देश दिए हैं। बाणसागर डैम से डिस्चार्ज बढ़ाए जाने की सूचना के दृष्टिगत सोन नदी के जलस्तर पर विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है। रिहंद डैम के गेट वर्तमान में बंद होने के बावजूद संबंधित अधिकारियों को जलस्तर की स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

जिलाधिकारी की जनपदवासियों से अपील

जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने जनपदवासियों से अपील की है कि अत्यधिक वर्षा के दौरान विशेष सावधानी बरतें और अनावश्यक रूप से नदी, नाले, जलधाराओं, जलाशयों एवं बांधों के आसपास न जाएं। बच्चों एवं परिवार के अन्य सदस्यों को भी ऐसे स्थानों पर जाने से रोकें। बरसात के दौरान जलधाराओं का बहाव अचानक तेज हो सकता है, जिससे दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुंचे कांग्रेस से कुंवर पुष्पेंद्र सिंह, घर-घर बांटी राहत सामग्री

प्रमोद मिश्रा जिला संवाददाता

चित्रकूट। जिले में भीषण बाढ़ और अतिवृष्टि से प्रभावित ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। ऐसे में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कुंवर पुष्पेंद्र सिंह ने बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा कर करीब 2000 पीड़ित परिवारों के बीच राहत सामग्री वितरित की। उन्होंने कई गांवों में घर-घर पहुंचकर लोगों का हाल जाना और जरूरत के सामान उपलब्ध कराए। पीड़ित परिवारों के बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए कॉपी-किताबें भी वितरित की गईं। कांग्रेस जिलाध्यक्ष कुशल सिंह पटेल ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के निर्देशन में कुंवर पुष्पेंद्र सिंह ने चित्रकूट जनपद के बाढ़ प्रभावित गांवों और अतिवृष्टि से प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचकर राहत सामग्री बांटी। उन्होंने कहा कि आपदा की स्थिति में प्रभावित लोगों तक सीधे पहुंचकर उनकी आवश्यकताओं को समझने और यथासंभव मदद करने का प्रयास किया गया। कांग्रेसी नेता विजयमणि त्रिपाठी ने बताया कि बाढ़ पीड़ित करीब 2000 लोगों को एक-एक बोरी राहत सामग्री दी गई। इसमें कपड़े, आटा, दाल, चावल, गुड़, चीनी सहित दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुएं शामिल थीं। राहत सामग्री मिलने से प्रभावित परिवारों को तत्काल जरूरत के सामान के लिए मदद मिली। ग्राम पनौती के पूर्व प्रधान विनय सिंह ने कहा कि आपदा के समय प्रभावित लोगों के बीच पहुंचना और उनकी मदद करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कुंवर पुष्पेंद्र सिंह के राहत वितरण अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि संकट के समय पीड़ित परिवारों तक पहुंचकर सहायता उपलब्ध कराई गई। कुंवर पुष्पेंद्र सिंह ने कलवारा, खेरिया, बरेठी, सरधूआ, सुरसेन, चिल्ली, पनौती, पडरी, रामघाट, अमानपुर, ब्यौहार और रामपुर समेत कई गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बाढ़ एवं अतिवृष्टि से प्रभावित परिवारों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और राहत सामग्री उपलब्ध कराई। चौरा गांव के लवकुश यादव ने भी बाढ़ के दौरान ग्रामीणों के बीच पहुंचकर मदद करने की बात कही। प्रभावित लोगों ने राहत सामग्री वितरण के लिए कुंवर पुष्पेंद्र सिंह का आभार जताया।

बेहंदर क्षेत्र में सई नदी का जलस्तर बढ़ा, अधिकारियों ने बाढ़ प्रभावित गांवों का किया दौरा

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। बेहंदर क्षेत्र में सई नदी का जलस्तर बढ़ने के बाद रविवार को एसडीएम नारायणी भाटिया और ज्वाइंट मजिस्ट्रेट संस्कृति त्रिवेदी ने बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने दन्नाखेड़ा, जीतखेड़ा, भीटी, टीकाराम, बिरौली, कंजौरा और सिरौली समेत कई गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों से बातचीत की और उनकी समस्याएं जानीं। अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की कि वे सुरक्षित स्थानों पर रहें और किसी भी स्थिति में नदी के किनारे न जाएं। कच्चे मकानों से दूर रहने तथा जरूरत पड़ने पर तत्काल सुरक्षित स्थान पर जाने की सलाह दी गई। साथ ही ग्रामीणों से कहा गया कि किसी भी परेशानी की सूचना तत्काल प्रशासन को दें। प्रशासन की ओर से बताया गया कि बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार देवेंद्र यादव, नायब तहसीलदार शिवम श्रीवास्तव, कानूनगो परवीन, लेखपाल शशिकांत और लेखपाल आदेश कुमार समेत राजस्व विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक-
श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक -
रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address
amanlekhaninews
@gmail.com

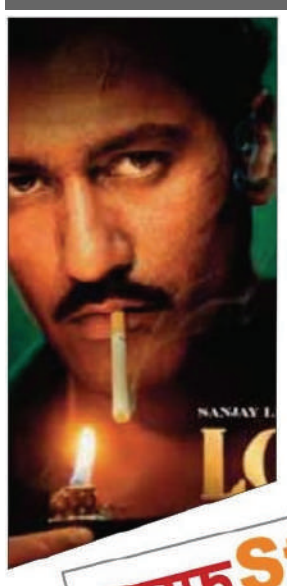

'लव एंड वॉर' से विक्की कौशल का धांसू अवतार

मुंबई। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के पहले पोस्टर जारी होने के बाद अब संजय लीला भंसाली की आगामी फिल्म 'लव एंड वॉर' से विक्की कौशल का पहली झलक भी सामने आ गई है। इस पीरियड वॉर ड्रामा का निर्देशन संजय लीला भंसाली कर रहे हैं। फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' के बाद ये भंसाली की बतौर निर्देशक अगली बड़ी फिल्म है, जिसकी वजह से इसे साल 2027 की सबसे चर्चित और बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक माना जा रहा है। विक्की के फर्स्ट-लुक पोस्टर में वो दाएं हाथ में लाइटर पकड़े नजर आ रहे हैं। इसी से वो होठों के बीच दबी सिगरेट जला रहे हैं।

लाइफ Style

आलिया

संजय की फिल्म में दिखा धाकड़ अंदाज

एजेंसी ▶▶ मुंबई

संजय लीला भंसाली की नई फिल्म 'लव एंड वॉर' से आलिया भट्ट का नया लुक सामने आ गया है और यह उनका अंदाज काफी हटके है। इस पोस्टर में आलिया एक बोल्ड कैबरे आउटफिट में नजर आ रही हैं।

स्लिट स्कर्ट और हेडपीस के साथ उनका यह अंदाज फैंस को उनका एक नया, आत्मविश्वासी रूप दिखा रहा है। इस बहुचर्चित फिल्म में रणबीर कपूर और विक्की कौशल भी उनके साथ नजर आएंगे। 'लव एंड वॉर' दुनिया भर में 21 जनवरी, 2027 को रिलीज होगी और यह हिंदी, तमिल और तेलुगु में सिनेमाघरों में उतरेगी।

संजय इस बार दर्शकों को कुछ नया दिखाने का वादा कर रहे हैं। फिल्म में एक ऐसी नई सेटिंग और विजुअल वर्ल्ड होगा, जो उनकी पिछली फिल्मों से काफी अलग होगी। फिल्म के जो पोस्टर्स अब तक ऑनलाइन आए हैं, उन्होंने पहले ही खूब सुर्खियां बटोरी हैं, जिससे सितारों से सजी इस फिल्म को लेकर दर्शकों में उत्साह तेजी से बढ़ रहा है। फिल्म 'लव एंड वॉर' से जुड़ा एक वीडियो इन दिनों खूब वायरल हो रहा है। इसमें आलिया भट्ट कैबरे आउटफिट में डांस करती दिख रही हैं। यह वीडियो ऐसे समय में सामने आया है जब कुछ समय पहले ही फिल्म आलिया के कैरेक्टर पोस्टर भी रिलीज हुए। इन पोस्टरों के बाद अब यह क्लिप दर्शकों को फिल्म के संगीत और उसके माहौल को लेकर और ज्यादा उत्सुक कर रहा है।

हॉलीवुड मसाला

टेलर के 'क्लीवलैंड' ने जीता दिल

लॉस एंजिलस। टेलर स्विफ्ट ने अपने नए एल्बम एक्सटेंशन 'द लाइफ ऑफ अ शोगर्लः द एनकोर' से हाल ही में 'क्लीवलैंड' नाम का एक गाना जारी किया है। यह गाना उनके पति ट्रेविस केल्सी के गृह नगर क्लीवलैंड हाइट्स, ओहियो को एक प्यारा सा सम्मान है। इसमें उनकी 3 जुलाई की शादी और क्लीवलैंड हाइट्स का भी जिक्र मिलता है। टेलर ने इस हफ्ते की शुरुआत में ही इस एडिशन का एलान किया था, जिसमें 'पेशेंट जीरो' जैसे कई नए गाने शामिल हैं। यह खबर ऐसे समय आई है जब ट्रेविस ने क्लीवलैंड गार्जियंस बेसबॉल टीम में कुछ हिस्सेदारी खरीदी है।

'प्राइमटाइम' के 7 सेकंड के सीन पर चली सेंसर की कैंची

लॉस एंजिलस। रॉबर्ट पैटिनसन की नई थ्रिलर फिल्म 'प्राइमटाइम' अब भारतीय सिनेमाघरों में आ गई है, लेकिन सेंसर बोर्ड ने इसमें कुछ बदलाव किए हैं। हालांकि, यह फिल्म सिर्फ वयस्कों के लिए बनी है, फिर भी इसे मंजूरी मिलने से पहले 7 सेकंड के नग्न दृश्यों को हटाना पड़ा, 2 आशब्दों को म्यूट किया गया और एक शराब के ब्रांड को धुंधला करना पड़ा। इन बदलावों से कई ऑनलाइन दर्शक खुश नहीं हैं, खासकर तब जब 'प्राइमटाइम' फिल्म पहले से ही वयस्कों के लिए बनाई गई है। यह फिल्म पत्रकार क्रिस हैंसन की कहानी बताती है, जो एक ऐसे शो में काम करते हैं, जो ऑनलाइन शिकारियों को पकड़ता है। इसमें वे अपराध की रिपोर्टिंग और मनोरंजन के बीच के मुश्किल संतुलन को समझने की कोशिश करते हैं। इस फिल्म में मैरिट वेवर और फोबे बिजर्स (जो अपनी पहली बड़ी फिल्म में नजर आ रही हैं) भी अहम भूमिकाओं में हैं।

अब बनेगी वेब सीरीज द फैमिली मैन

मुंबई। लोकप्रिय वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' के क्रिएटर्स अब इसे एक फिल्म में बदलने पर भी सोच रहे हैं। मनोज बाजपेयी इस शो में मुख्य भूमिका निभाते हैं, जिसे इसकी रोमांचक कहानी और दमदार कलाकारों के लिए दर्शक बहुत पसंद करते हैं। सुनने में आया है कि 'द फैमिली मैन' को फिल्म में बदलने का विचार कुछ समय से चल रहा था, लेकिन अभी टीम चौथे सीजन को पहले पूरा करने पर ध्यान दे रही है, उसके बाद ही फिल्म की योजना पर आगे काम होगा। फिलहाल सबकी नजर चौथे सीजन को बनाने पर टिकी है। इसकी शूटिंग 2027 की शुरुआत में शुरू होने की उम्मीद है। यह शो श्रीकांत तिवारी (मनोज) नाम के एक इंटेलिजेंस अधिकारी के इर्द-गिर्द घूमता है, जो अपनी खतरनाक नौकरी और पारिवारिक जीवन के बीच संतुलन बनाने की जद्दोजहद करता है।

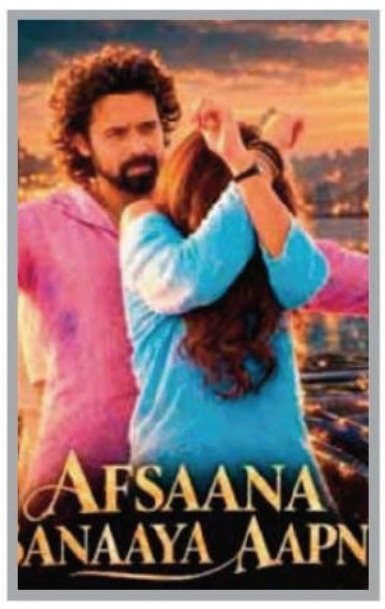

'गनमास्टर जी-9' से आया रोमांटिक गाना

मुंबई। इमरान हाशमी की आगामी फिल्म 'गनमास्टर जी9' का इंतजार उनके फैंस बेसब्री से कर रहे हैं। आदित्य दत्त द्वारा निर्देशित और सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले निर्मित, यह एक एक्शन थ्रिलर है, जिसमें उनके साथ जेनेलिया डिसूजा मुख्य किरदार में हैं। निर्माताओं ने फिल्म का पहला गाना 'अफसाना बनाया आपने' रिलीज कर दिया है, जिसने आते ही लोगों का ध्यान आकर्षित करना शुरू कर दिया है। यह गाना इमरान और हिमेश रेशमिया की वापसी का प्रतीक है। यूट्यूब पर 'अफसाना बनाया आपने' उसके वीडियो के साथ रिलीज किया गया है। यह गाना फिल्म में इमरान और जेनेलिया के बीच पनपते प्यार, जुनून और गहराई को दर्शाता है। इसका संगीत हिमेश ने तैयार किया है और उन्होंने ही बोल लिखकर उन्हें अपनी आवाज में पिरोया है।

टीवी मसाला

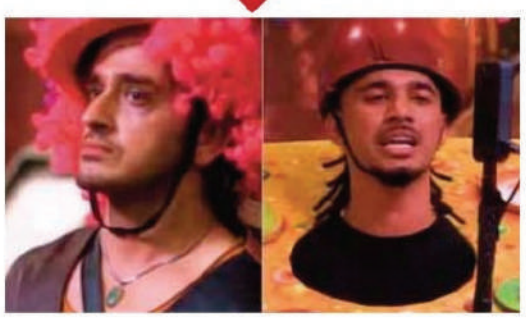

बिग बॉस 20': कप्तानी टास्क में भिड़े यंग और काजी कोई और जीत ले गया बाजी

रायपुर। रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' में घर का अगला कप्तान बनने के लिए प्रतिस्पर्धा शुरू हो चुकी है। हालिया एपिसोड में, ऋति तिवारी, काजी तौकीर और उदिति सिंह के बीच तीखी नोकझोंक हुई थी, जिसका असर अब तक सोशल मीडिया पर देखने को मिल रहा है। अब कप्तानी टास्क को लेकर यंग डीएसए और काजी आपस में भिड़ गए हैं। इस दौरान काजी ने अपनी शर्ट उतार दी और गुस्से में यंग को हिंसा करने की चुनौती दे डाली।

कप्तानी टास्क ने फिर मचाया घर में बवाल : जियोहॉटस्टार ने 'बिग बॉस 20' का ताजा प्रोमो जारी किया है, जिसमें घरवालों को जोड़ियां बनाकर एक-दूसरे को गेंद पास करने के लिए कहा गया। प्रोमो के अनुसार, यंग मौके से गेंद को उठा लेते हैं और काजी उनसे उसे छीनने की कोशिश करते हैं। यंग कहते हैं कि उनके पैर में चोट लगी है। इसके बाद उनके बीच झगड़ा शुरू हो जाता है। काजी अपनी टी-शर्ट उतारकर उन्हें चुनौती देते हैं कि अगर हो सके तो मार के दिखाओ।

मैरी कॉम के हाथ लगी जीत की बाजी : खबरों के मुताबिक, बॉक्सिंग चैंपियन मैरी कॉम ने कप्तानी टास्क जीता है और वह घर की नई कैप्टन बन गई हैं। हालांकि, निर्माताओं की ओर से अभी इसकी पुष्टि नहीं की गई है। फिलहाल, बिग बॉस का घर इस वक्त 2 गुटों में बंटा हुआ दिख रहा है। एक तरफ यंग, आसिफ खान, स्काउट, आम्रपाली दूबे जैसे प्रतियोगियों का ग्रुप है। दूसरी ओर, वह प्रतियोगी हैं जो काजी और माही गिल के साथ नजर आ रहे हैं।

'क्योंकि सास...2' में गुजराती बहुओं ने मनाई छठ पूजा

मुंबई। टीवी शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' अपने दूसरे सीजन के जरिए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन कर रहा है। चूंकि शो गुजराती परिवार की कहानी पर आधारित है, इसलिए नवरात्रि जैसे त्योहारों और परंपराओं को शो में बखूबी पेश किया जाता रहा है। हालांकि, पहली बार शो के इतिहास में कुछ अलग देखने को मिलेगा। दरअसल, आगामी एपिसोड में दर्शक 'वीरानी परिवार' की बहुओं को 'छठ पूजा' मनाते देखेंगे। इसकी एक झलक सोशल मीडिया पर देखने को मिली है। शो में 'नंदिनी' का किरदार निभा रहीं अभिनेत्री गौरी प्रधान ने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की है, जिसमें उन्हें सह-कलाकारों प्राची सिंह और रवी गुप्ता के साथ छठ का पर्व मनाते हुए दिखाया गया है। तस्वीर के साथ अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, 'मेरी पहली छठ पूजा। 'तुलसी' का किरदार निभा रहीं स्मृति ईरानी भी इस त्योहार को पूरी श्रद्धा के साथ मनाती हुई नजर आईं।

भारत के सबसे अमीर अभिनेताओं में शाहरुख ने बिग बी को छोड़ा पीछे

मुंबई। हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2026 की नई सूची जारी हो गई है, जिसमें देश के कई बेहद अमीर लोगों के साथ फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज सितारों के नाम भी शामिल हैं। इस सूची में बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता शाहरुख खान से लेकर सलमान खान तक ने अपनी जगह बनाई है। ऐसे में आइए जानते हैं, इस साल की सूची में शामिल भारत के सबसे अमीर अभिनेताओं और उनकी संपत्ति के बारे में।

शाहरुख खान : हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2026 के मुताबिक, शाहरुख की कुल संपत्ति करीब 10,000 करोड़ रुपये है। फिल्मों से मोटी फीस लेने के अलावा वह कई बड़े ब्रांड्स से भी जुड़े हैं। शाहरुख का अपना प्रोडक्शन हाउस है और वह आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के मालिक हैं। इसके अलावा वह किडजानिया के सह-मालिक भी हैं, जिसमें उनकी करीब 26 प्रतिशत हिस्सेदारी बताई जाती है।

अमिताभ बच्चन : इस सूची में अमिताभ बच्चन दूसरे स्थान पर हैं। हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2026 के मुताबिक, उनकी कुल संपत्ति करीब 4,000 करोड़ रुपये है। खास बात यह है कि उनकी संपत्ति में पिछले साल के मुकाबले बढ़ोतरी हुई है। साल 2025 में उनकी अनुमानित संपत्ति लगभग 1,630 करोड़ रुपये थी। अमिताभ की कमाई का प्रमुख जरिया फिल्म, टीवी शो की मेजबानी, ब्रांड विज्ञापन, रियल एस्टेट और विभिन्न व्यावसायिक निवेश हैं।

सलमान खान : सलमान का नाम भी इस सूची में शामिल है। उनकी नेटवर्थ करीब 3,000 करोड़ रुपये बताई जाती है। फिल्मों से कमाई के अलावा सलमान ब्रांड एंडोर्समेंट और टीवी शो होस्टिंग से भी अच्छी कमाई करते हैं। वो 'बीइंग ह्यूमन' ब्रांड और चैरिटी भी कमाई करते है। इसके अलावा 'सलमान खान फिल्म्स' नाम का उनका अपना प्रोडक्शन हाउस है, जो उनकी कमाई का एक और मजबूत जरिया है।

मुश्ताक खान की यादगार भूमिका वाली फिल्में देखें ओटीटी पर...

मुंबई। बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता मुश्ताक खान का 24 सितंबर को 56 साल की उम्र में निधन हो गया। हिंदी फिल्मों और टेलीविजन में अपने अभिनय से पहचान बनाने वाले मुश्ताक ने कई फिल्मों में सहायक भूमिकाएं निभाईं। उनके कई किरदार आज भी दर्शकों को याद हैं। अभिनेता को श्रद्धांजलि देने के लिए आइए उनकी कुछ चर्चित फिल्मों पर नजर डालते हैं और जानते हैं कि इन फिल्मों को आप किस-किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देख सकते हैं।

5 'स्त्री 2'

हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'स्त्री 2' में मुश्ताक ने नेता का किरदार निभाया था। अमर कौशिक के निर्देशन में बनी इस फिल्म में राजकुमार राव, श्रद्धा कपूर, पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना भी दिखाई दिए थे। आप इसे प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

'वेलकम' और 'हम हैं राही प्यार के': फिल्म 'वेलकम' में मुश्ताक खान ने 'बालू' का किरदार निभाया था। अनीस बज्मी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अक्षय, कैटरीना कैफ, नाना पाटेकर और अनिल कपूर ने काम किया था। इसे आप प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। 'हम हैं राही प्यार के' में आमिर खान और जूही चावला मुख्य भूमिकाओं में दिखाई दिए थे, जबकि मुश्ताक ने सहायक भूमिका निभाई थी। महेश भट्ट द्वारा निर्देशित इस फिल्म को आप प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

एक फिल्म से मुझे सिर्फ इसलिए निकाल दिया गया, क्योंकि...

मुंबई। फिल्मों में कलाकारों को बदले जाने की वजह अक्सर बजट या तारीखें होती हैं, लेकिन अभिनेत्री तापसी पन्नू ने बॉलीवुड का एक कड़वा सच उजागर किया है। तापसी ने खुलासा किया कि उन्हें एक फिल्म से सिर्फ इसलिए निकाल दिया गया, क्योंकि 'हीरो की पत्नी' उन्हें पसंद नहीं करती थी। बिना किसी गलती के सिर्फ किसी की निजी पसंद-नापसंद के कारण फिल्म गंवाने के इस अनुभव को उन्होंने अपने करियर का सबसे बेतुका और बुरा कारण बताया है।

भगवान जाने क्या वजह थी

एक इंटरव्यू में तापसी बोलीं, मुझे बताया गया कि फिल्म के हीरो ने मुझे रिप्लेस करवाया है। भगवान जाने इसकी क्या वजह थी। मैं तो बस वजहों का अंदाजा ही लगाती रहती हूं। शायद कोई असुरक्षा की भावना रही हो या फिर वो अपनी किसी करीबी अभिनेत्री को फिल्म में लेना चाहते हों। मैं कई तरह के कारण सोच सकती हूं, लेकिन मुझे कोई साफ वजह नहीं बताई गई।

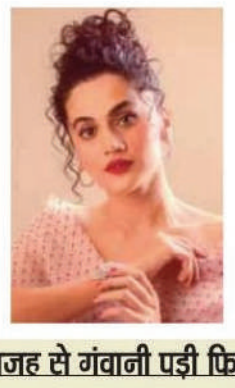

एक जैसे किरदारों से तंग आकर तापसी ठुकरा रहीं फिल्में

'हसीन दिलरुबा', 'थप्पड़' और 'डंकी' जैसी फिल्मों से पहचान बनाने वाली तापसी अब एक जैसे किरदारों में बंधना नहीं चाहतीं। उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में ग्लैमरस और गंभीर भूमिकाओं के लिए कुछ खास अभिनेत्रियों को ही चुना जाता है। तापसी ने कहा कि कई बार वो निर्माताओं से कहती हैं कि अगर उन्हें फिल्म में लिया गया तो दर्शक कहानी का अंत पहले ही समझ जाएंगे। इसी वजह से वो खुद कई फिल्मों के प्रस्ताव ठुकरा चुकी हैं।

हीरो की पत्नी की वजह से गंवानी पड़ी फिल्म

तापसी ने आगे कहा, मुझसे बस इतना कहा गया कि हीरो मुझे फिल्म में नहीं चाहता, क्योंकि मैं बार-बार निकाले जाने का कारण पूछ रही थी। मुझे फिल्म से निकाले जाने का सबसे बेतुका कारण ये दिया गया था कि हीरो की पत्नी आपको पसंद नहीं करती। मुझे नहीं पता कि वो मुझे पसंद क्यों नहीं करती थीं। हालांकि, तापसी ने उस अभिनेता या उनकी पत्नी के नाम का खुलासा नहीं किया।

'चुंबक' के साथ ओटीटी पर देखें ये मजेदार कॉमेडी-ड्रामा वेब सीरीज

मुंबई। पारिवारिक कॉमेडी-ड्रामा 'चुंबक' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो गई है और इसे दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। इसमें नीना गुप्ता, सुमित व्यास, मानसी पारेख, अर्जुन बिजलानी और हेली शाह जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। अगर आपको हल्की-फुल्की और परिवार के साथ देखने लायक कॉमेडी-ड्रामा पसंद है, तो 'चुंबक' के साथ आप ऐसी ही कुछ अन्य वेब सीरीज भी देख सकते हैं।

'टीवीएफ ट्रिपलिंग' और 'ये मेरी फैमिली': वेब सीरीज 'टीवीएफ ट्रिपलिंग' में सुमित, मानवी और अमोल पराशर मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे। इस सीरीज को 8.5 रेटिंग मिली है। इसे आप जी5 पर देख सकते हैं। लोकप्रिय भारतीय कॉमेडी-ड्रामा वेब सीरीज 'ये मेरी फैमिली' 90 के दशक के दौर पर आधारित है। इस सीरीज के 4 सीजन आ चुके हैं। इस सीरीज को 8.9 रेटिंग मिली है। इसे आप प्लेटफॉर्म एमएक्स प्लेयर पर देख सकते हैं।

'फैमिली आज कल' और 'होम शांति': कॉमेडी ड्रामा सीरीज 'फैमिली आज कल' की कहानी एक मध्यम वर्गीय परिवार और सामाजिक पूर्वाग्रहों के इर्द-गिर्द घूमती है। इसे आप ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर देख सकते हैं। इसे आईएमडीबी पर 6.4 रेटिंग मिली है। वेब सीरीज 'होम शांति' की कहानी एक मध्यम वर्गीय परिवार के आस-पास घूमती है। इसे 8 रेटिंग मिली है। इसे आप जियो हॉटस्टार पर देख सकते हैं।

'द आम आदमी फैमिली': 'द आम आदमी फैमिली' की कहानी एक मध्यम वर्गीय परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है। इस सीरीज के 5 सीजन आ चुके हैं। इसे लोगों ने खूब पसंद किया था।